दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 298 पृष्ठ 12, रीवा

सोमवार 20 जुलाई 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

वंदे मातरम् के अपमान पर सजा के प्रावधान का प्रस्ताव

नई दिल्ली, संसद के मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में एक विधेयक पेश करेंगे, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान कानूनी संरक्षण प्रदान करना है। प्रस्तावित विधेयक के तहत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी कानून में संशोधन कर राष्ट्रीय गीत के अपमान या उसके गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने का प्रावधान किया गया है।

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम् का अपमान करता है, उसके गायन में व्यवधान उत्पन्न करता है या उसके सामूहिक गायन को बाधित करता है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकेगा। वर्तमान में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम के तहत राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को कानूनी संरक्षण प्राप्त है। राष्ट्रीय गान के दौरान जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करने या उसका अपमान करने पर पहले से ही तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

संसद का मानसून सत्र आज से- लोकसभा में बदलेगा राजनीतिक समीकरण

टीएमसी के 20 और उद्धव गुट के 6 बागी सांसदों को अलग बैठने की मंजूरी

नई दिल्ली, संसद के मौजूदा मानसून सत्र में लोकसभा की राजनीतिक तस्वीर में बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। दरअसल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के छह बागी सांसदों को अलग समूह के रूप में मान्यता देते हुए सदन में अलग बैठने की अनुमति दे दी है। सोमवार 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र में ये सभी सांसद अपने नए दलों के साथ सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेंगे। टीएमसी के 20 सांसदों ने 15 जून को पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था।

इससे पहले 8 जून को इन सांसदों ने केंद्र की एनडीए सरकार को समर्थन देने की घोषणा की थी। पूर्व टीएमसी नेता काकोली घोष दस्तीदार ने बताया था कि सांसदों के हस्ताक्षरयुक्त पत्र लोकसभा अध्यक्ष को सौंप दिए गए थे। एनसीपीआई पश्चिम बंगाल में पंजीकृत राजनीतिक दल है, जिसने 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भी अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, महाराष्ट्र में 22 जून को उद्धव ठाकरे की शिवसेना में एक और बड़ी टूट हुई थी। लोकसभा के नौ सांसदों में से छह सांसद पार्टी छोड़कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। इसके बाद लोकसभा में शिंदे गुट के सांसदों की संख्या सात से बढ़कर 13 हो गई। मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकनाथ शिंदे ने इसे पार्टी के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया था। इन दोनों घटनाक्रमों से लोकसभा में एनडीए का संख्या बल और मजबूत होने की संभावना है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें जीती थीं और सहयोगी दलों के साथ एनडीए का आंकड़ा 292 तक पहुंचा था। अब टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसदों के समर्थन से सरकार दो-तिहाई बहुमत के और करीब पहुंच सकती है।

पूर्व पीएम देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन,

बेंगलुरु पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का बेंगलुरु में निधन हो गया। कर्नाटक सरकार ने चेन्नम्मा के अंतिम संस्कार के समय उन्हें राजकीय सम्मान देने का फैसला किया। बता दें चेन्नम्मा का पिछले कुछ दिनों से सांस में गंभीर दिक्कतों के चलते अस्पताल में इलाज चल रहा था। हार्ट अटैक के बाद शनिवार शाम करीब 4 बजे चेन्नम्मा का निधन हो गया।

अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 पर जेपीसी की बैठक फिर टली

नई दिल्ली, उच्च शिक्षा के नियमन में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव रखने वाले विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) की मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए बुलाई बैठक टाल दी गई है। मानसून सत्र से ठीक पहले लिया गया यह फैसला विधेयक को लेकर उभर रहे मतभेदों और सहयोगी दलों की चिंताओं के बीच अहम माना जा रहा है।

एलजीबीटीक्यूआईए की वजह शादी की पवित्रता खत्म हुई,

नई दिल्ली) दिग्गज सिंगर अनुराधा पौडवाल इन दिनों ट्रोल्स के निशाने पर हैं। हाल ही में उन्हें राम मंदिर विवाद पर हुई ट्रोलिंग को लेकर सफाई देनी पड़ी। अब वो अपने एक और बयान को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त विवादों में घिर गई हैं। उन्होंने एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के अधिकारों को भारत में शादी जैसी संस्था के कमजोर होने की वजह बताया।

पीएम मोदी को लिखा पत्र

जयपुर। राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कर संवैधानिक मान्यता देने की मांग फिर उठ रही है। मायड भाषा संघर्ष समिति ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर मानसून सत्र में राजस्थानी भाषा को संवैधानिक दर्जा देने की मांग की है

पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड से 16 लोगों की मौत

-फंसे लोगों को निकालने युद्धस्तर पर कार्य जारी, सीएम ने दिल्ली दौरा बीच में छोड़ा

जम्मू, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार तड़के मूसलाधार बारिश ने तबाही मचाई। भारी बारिश के कारण फ्लैश फ्लड और भूस्खलन में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित सुरनकोट तहसील में सभी मौतें दर्ज की गई हैं। राहत एवं बचाव दल मौके पर तैनात हैं और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने, प्रभावित क्षेत्रों को खाली कराने और राहत पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ में बादल फटा है। इसके चलते व्यापक पैमाने पर तबाही मची। घर-मकान को नुकसान पहुंचा है। राजौरी में भी भारी से बहुत भारी बारिश के चलते हालात खराब हैं। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी है। अभी तक 16 लोगों के मरने की सूचना मिली है। इसके अलावा कई अन्य अभी भी लापता हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा जताया गया है। नूनाबंदी गांव में मकान गिरने से एक महिला की मौत हो गई। उनके पति और तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। लोअर मुर्रा क्षेत्र में भूस्खलन के कारण एक अन्य शख्स मकान में दब गया। वहीं, मकान समेत परिवार के 6 सदस्य लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया गया है। इसके अलावा मरहोट में एक नाबालिग लड़की नाले में बह गई, जबकि धुंदक लार्थुंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है।रिपोर्ट के मुताबिक किश?तवाड़ के दाछन के सुरनु (कियार) में बादल फटा है। इससे इलाके में हालात काफी बिगड़ गए। खेत में खड़ी फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही भारी बारिश और सलाल व बगलिहार बांध से पानी छोड़े जाने के कारण चिनाब नदी का जलस्तर अलर्ट लेवल तक पहुंचने वाला है। घाट किनारे पर बने मंदिर परिसर तक पानी पहुंच गया है और घाट पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने लोगों को अलर्ट पर रहने को कहा है। वहीं, जम्मू के पीर खो क्षेत्र के पास तवी नदी में तेज बहाव के बीच फंसे 3 लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। नौशहरा में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। इसके चलते मनावर नदी का जलस्तर बढ़ गया। बारिश और तेज बहाव के कारण कई स्थानों पर बिजली के खंभे भी टूटकर पानी में बहते नजर आए, जिससे बिजली सप?लाई प्रभावित हुई है। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश से ?यापक पैमाने पर तबाही मची है। पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस?लाइड की चपेट में आने से 10 लोगों की मौत हो गई। राजौरी में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, नदी-नाले उफान पर हैं। हालात को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। पानी के तेज बहाव में कई वाहन बह गए। लोगों के घरों में भी पानी घुस गया। पूरे जिले में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जिससे नदी-नाले पूरी तरह उफान पर आ गए हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन की टीमें मौके पर हैं और राहत बचाव कार्य चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार बारिश ने पिछले कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और अगर बारिश जारी रही तो फसलों और मकानों को भारी नुकसान हो सकता है। दूसरी तरफ, चिनाब नदी के उफान पर आने से अखनूर घाट का मुख्य हिस्सा पानी में डूब गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू संभाग के कई हिस्सों विशेषकर राजौरी में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए वह दिल्ली का दौरा बीच में ही छोड़कर जम्मू लौट रहे हैं।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वे सुबह से ही जम्मू खासकर राजौरी और आसपास के क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और विधायकों के संपर्क में हैं।

मप्र में समान नागरिक संहिता समेत 9 विधेयकों को कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल/इंदौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल जिले के ऐतिहासिक जगदीशपुर (इस्लाम नगर) स्थित चमन महल में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में रविवार को कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट ने मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026 विधेयक को विधानसभा में प्रस्तुत करने की मंजूरी दे दी। इसके साथ ही प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम और उद्योग क्षेत्र से जुड़े 8 अन्य विधेयकों को भी आगामी विधानसभा सत्र में पेश करने का निर्णय लिया गया।

समानता और न्याय की भावना को आधार बताते हुए सरकार ने विधेयक को विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए विधि एवं विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया है।

मंत्रि-परिषद ने समान नागरिक संहिता विधेयक के साथ मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक, मध्यप्रदेश श्रम शक्ति संहिता और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक को मंजूरी दी।

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए 73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन को मंजूरी दी गई है। इनमें उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पताल शामिल हैं।

योजना के तहत 29 उप स्वास्थ्य केंद्रों को 6-बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 50-बिस्तरीय सिविल अस्पताल और 7 संस्थाओं को 100-बिस्तरीय अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा।

इन परियोजनाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति के साथ नए पदों के सृजन और मानव संसाधन व्यवस्था को भी मंजूरी दी गई है।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चोरी का मामला

नई दिल्ली, संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए। राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि जांच केवल दस्तावेजों और खातों तक सीमित न रहे, बल्कि मंदिर के लिए मिले सभी प्रकार के दान, जिसमें नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य चढ़ावे शामिल हैं, उनके प्रबंधन की भी विस्तृत जांच की जाए।कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रस्ट के सभी खातों की जानकारी आम लोगों के सामने रखी जाए।

अहमदाबाद फैक्ट्री ब्लास्ट- एक साथ सात शव गांव पहुंचे, गम और चीख-पुकार से दहल उठा गोविंदातलाई

* परिजनों के विलाप से माहौल हुआ गमगीन, प्रशासन ने मदद का भरोसा दिया; हादसे ने पूरे गांव के सपनों को कर दिया चकनाचूर

दाहोद अहमदाबाद में हुई भीषण पटाखा फैक्ट्री विस्फोट दुर्घटना के बाद जब एम्बुलेंस से एक साथ सात मृतकों के शव दाहोद जिले के गोविंदातलाई गांव पहुंचे, तो पूरा गांव शोक में डूब गया। परिजनों की चीख-पुकार और ग्रामीणों की नम आंखों ने ऐसा हृदयविदारक दृश्य पैदा किया कि हर किसी की आंखें भर आईं। एक साथ सात अंतिम यात्राएं निकलती देख पूरे क्षेत्र में सन्नाटा छा गया। इस दर्दनाक हादसे ने कई परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। मामलतदार और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी गांव पहुंचे, परिजनों को सांत्वना दी और सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। हालांकि, अपनों को खोने का दर्द किसी भी मदद से कम नहीं हो सकता।बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में काम करने वाले ये सभी लोग अपने परिवार का पालन-पोषण करने के उद्देश्य से रोजगार के लिए गए थे।

पंजाब पुलिस ने एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को गिरफ्तार कर किया निलंबित

-एफबीआई के ऑपरेशन हार्ड बॉल में उनका नाम सामने आने के बाद हुई कार्रवाई

चंडीगढ़, जबरन वसूली और भ्रष्टाचार के मामले में पंजाब पुलिस ने होशियारपुर के टांडा थाने के तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया है। ये कार्रवाई अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के ऑपरेशन हार्ड बॉल के दौरान उनका नाम सामने आने के बाद की गई। विभागीय जांच में सबूत मिलने के बाद उनके खिलाफ एक्सटॉर्शन और भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब मामले के हर पहलू की गहन जांच कर रही है।यह पूरा मामला अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के परिवार से कथित तौर पर 4 लाख डॉलर यानी करीब 4 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के आरोप से जुड़ा है।

एफबीआई और अन्य अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों का दावा है कि गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े लोगों ने पंजाब में दर्ज एक हत्या के केस का दबाव बनाकर पीड़ित परिवार से बड़ी रकम वसूलने की कोशिश की। जांच के दौरान इस पूरे घटनाक्रम में तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा का नाम भी सामने आया।अमेरिका, कनाडा और यूरोप में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ 10 जुलाई को एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने संयुक्त अभियान ऑपरेशन हार्ड बॉल चलाया। इस दौरान कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की पड़ताल की गई। इसमें भारतीय पुलिस अधिकारी की भूमिका सामने आई, जिसकी पहचान टांडा के तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा के रूप में की गई। अमेरिकी एजेंसियों ने दावा किया कि नागरा का नाम कथित फिरौती की साजिश में सामने आया है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक अमेरिका में रह रहे एक परिवार पर हत्या के मामले में कार्रवाई का डर दिखाकर 4 लाख डॉलर की मांग की गई थी। आरोप है कि गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े लोगों ने विदेश में रह रहे परिवार की जानकारी जुटाई और भारत में अपने संपर्कों के जरिए उन पर दबाव बनाया। अमेरिकी एजेंसियों ने इस मामले में नागरा की तस्वीर भी जारी कर उन्हें संदिग्ध भूमिका वाला अधिकारी बताया था।

सीएम उमर बोले दिल्ली से लौटकर हालात का जायजा लेंगे

जम्मु,। जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में भारी बारिश तथा अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न गंभीर स्थिति के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है, कि वह दिल्ली से लौटकर स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता करेगी।

मुख्यमंत्री उमर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि वह जम्मू संभाग, विशेषकर राजौरी शहर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की संपत्ति और आजीविका को नुकसान पहुंचा है, उनकी सहायता के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी। उमर अब्दुल्ला ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी और जम्मू संभाग के कई हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए वह दिल्ली से जम्मू रवाना हो रहे हैं, ताकि प्रभावित इलाकों की स्थिति का मौके पर जाकर आकलन किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके दिल्ली से लौटने के बावजूद प्रस्तावित राजनीतिक विरोध कार्यक्रम निर्धारित योजना के अनुसार जारी रहेगा। उनके अनुसार, यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा।

यश बैंक के मुनाफे में 33.7 फीसदी उछाल, 1,071 करोड़ के पार

मुंबई। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक यश बैंक ने मौजूदा कारोबारी साल की पहली तिमाही के शानदार नतीजे जारी किए हैं। जून 2026 को खत्म हुई इस तिमाही में बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 33.7 प्रतिशत उछलकर 1,070.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक को 801 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। बैंक की ब्याज से होने वाली कमाई में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यश बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम 17.5 फीसदी बढ़कर 2,786.46 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान तिमाही में 2,371 करोड़ रुपये था।

केजी-डी6 गैस उत्पादन में बड़ी गिरावट, रिलायंस-बीपी को झटका

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी द्वारा संचालित कृष्णा-गोदावरी (केजी-डी6) ब्लॉक से प्राकृतिक गैस उत्पादन में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर करीब सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में उत्पादन घटकर 2.48 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन (एमएमएससीएमडी) रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.66 करोड़ एमएमएससीएमडी था। कंपनी ने बताया कि यह गिरावट प्राकृतिक आधार पर जारी है, और पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादन 2.52 करोड़ एमएमएससीएमडी था।

सेबी ने फॉरेंसिक ऑडिट पैनल का विस्तार किया, वित्तीय निगरानी को मिलेगा बल

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए अपने विशेषज्ञ पैनल में 18 नई फर्मों को शामिल किया है। यह कदम वित्तीय पारदर्शिता को मजबूत करने और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के नियामक के प्रयासों का हिस्सा है। इस विस्तार के साथ, सेबी की सूचीबद्ध कंपनियों की वित्तीय जांच की क्षमता और गहरी होगी। सेबी ने 15 जुलाई को जारी एक अधिसूचना में बताया कि इन फॉरेंसिक ऑडिटरों का चयन एक निर्धारित सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के तहत किया गया है।

डाउनस्ट्रीम' एल्युमीनियम उद्योगों की सीमा शुल्क घटाने की मांग

नई दिल्ली। एल्युमीनियम से तैयार उत्पाद बनाने वाले उद्योगों (डाउनस्ट्रीम) ने केंद्र सरकार से प्राथमिक एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ (स्क्रैप) पर सीमा शुल्क कम करने की मांग की है। उनका कहना है कि मौजूदा उच्च शुल्क व्यवस्था के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों पर लागत का भारी दबाव है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हो रही है।

तेल पर अमेरिका की दोहरी चाल,यूरोप को छूट

भारत-चीन को निशाना क्यों?

- भारत की तैयारी- अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा, पाकिस्तान को मिली छूट पर सवाल

नई दिल्ली। रूस से तेल और गैस की आसान उपलब्धता के बीच भारत के लिए एक नई भू-राजनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। अमेरिका उन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की तैयारी में है जो रूसी ईंधन खरीद रहे हैं, जिसमें भारत और चीन जैसे प्रमुख खरीददार देश शामिल हैं। हालांकि, इस प्रस्तावित कदम में यूरोपीय देशों को छूट दिए जाने का दोहरा मापदंड भी साफ दिख रहा है, जिससे अमेरिकी मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब भारत के लिए रूस से ईंधन की खरीद माल ढुलाई खर्च कम होने के कारण और सस्ती हो गई है। अमेरिकी सीनेटर्स के एक समूह ने रूस को तेल राजस्व से वंचित करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पर सहमति जताई है। इसके तहत भारत, चीन सहित कुल पांच देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की तैयारी की जा रही है, जो यूक्रेन युद्ध के बाद से रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार बनकर उभरे हैं।

पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूस से मिल रहे सस्ते तेल से भारत और चीन को काफी फायदा हुआ है, जिससे उनकी ईंधन लागत में कमी आई है। हालांकि, इस बिल को अभी अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिलना बाकी है। सबसे अधिक हैरानी की बात यह है कि अमेरिका इस टैरिफ नीति में दोहरा रवैया अपना रहा है। एक ओर जहां वह भारत और चीन जैसे देशों पर कच्चे तेल की खरीद के लिए कड़ा रुख अपना रहा है, वहीं दूसरी ओर रूसी प्राकृतिक गैस खरीदने वाले यूरोपीय देशों को इस प्रस्तावित टैरिफ से पूरी तरह छूट दी जा रही है। यह कदम रूस की राजस्व पर अंकुश लगाने के लिए बताया जा रहा है, लेकिन यूरोपीय देशों को मिली छूट इस तर्क को कमजोर करती है, खासकर जब अमेरिका भारत के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का दावा कर रहा है। भारत के लिए यह अमेरिकी कदम दोहरी चुनौती पेश कर सकता है। यदि 100 फीसदी टैरिफ लागू होता है, तो इससे अमेरिका को होने वाले भारतीय निर्यात पर सीधा नकारात्मक असर पड़ेगा। इसके अलावा, यदि भारत को अमेरिकी दबाव में रूसी तेल की खरीद कम करनी पड़ती है, तो मौजूदा भू-राजनीतिक अस्थिरता, विशेषकर पश्चिम एशिया में, उसकी ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर सकती है। विशेष रूप से, पाकिस्तान को इस टैरिफ से पूरी तरह छूट दिए जाने की बात भी सामने आई है, जबकि भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का 50 फीसदी से अधिक रूस से आयात करता है। भारत सरकार इस पूरे घटनाक्रम पर पैनी नजर रख रही है। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता के अनुसार भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्रोतों से तेल आयात करता है, जिसमें रूस भी शामिल है। भारत अपनी संप्रभुता और ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए इस मामले में अपनी बात मजबूती के साथ रखेगा।

चीन का रेयर दांवः अमेरिका-यूरोप की 6.5 ट्रिलियन डॉलर इंडस्ट्री पर खतरा!

- दुनियाभर में रेयर अर्थ की सप्लाई पर पड़ सकता है गहरा असर

नई दिल्ली। एक तरफ जहां अमेरिका टैरिफ और आर्थिक दबाव के जरिए अपनी वैश्विक धाक जमाने की कोशिश कर रहा है, वहीं चीन ने एक रणनीतिक दांव चलकर पश्चिमी देशों के कारोबार को मुश्किल में डाल दिया है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार चीन द्वारा रेयर अर्थ और ग्रेफाइट के निर्यात पर शिकंजा कसने से अमेरिका सहित तमाम पश्चिमी देशों की 6.5 ट्रिलियन डॉलर की इंडस्ट्री पर गंभीर जोखिम मंडराने लगा है। यह कदम पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की नाजुक निर्भरता को उजागर करता है। रिपोर्ट बताती है कि अगर चीन ने अपने रेयर अर्थ निर्यात पर पूरी तरह रोक लगा दी, तो पश्चिमी देशों के एयरोस्पेस, डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और क्लीन एनर्जी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर खतरा पैदा हो सकता है। चीन, जो रेयर अर्थ का सबसे बड़ा उत्पादक है, ने पिछले साल अक्टूबर में ही इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के साथ लाइसेंस के नियमों को भी सख्त कर दिया था। इस प्रतिबंध को 2026 के अंत तक पूरी तरह लागू करने की योजना है, जिससे दुनियाभर में रेयर अर्थ की सप्लाई पर गहरा असर पड़ सकता है।

आईईए के एक अधिकारी ने चेतावनी दी है कि रेयर अर्थ की सप्लाई पर चीन का बढ़ता नियंत्रण वैश्विक कारोबार को प्रभावित कर सकता है। 17 छोटे-छोटे तत्वों से मिलकर बनने वाले रेयर अर्थ का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों, एयरक्राफ्ट, स्मार्टफोन, सेमीकंडक्टर, पवन चक्की की टरबाइन और एडवांस्ड वेपन सिस्टम जैसे महत्वपूर्ण उत्पादों में होता है।

रेयर अर्थ के अलावा चीन ने ग्रेफाइट के निर्यात पर भी शिकंजा कसने की बात कही है, जिसका उपयोग ई-वाहनों की बैटरियां बनाने में होता है। अगर चीन ने ग्रेफाइट के निर्यात पर पूरी तरह रोक लगा दी तो इससे चीन के बाहर 300 अरब डॉलर के उत्पादन पर जोखिम पैदा हो सकता है। चीन वर्तमान में दुनिया का 90 फीसदी ग्रेफाइट प्रोसेस करता है, जो इस क्षेत्र में उसकी एकतरफा ताकत को दर्शाता है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पश्चिमी देश चीन पर अपनी ऊर्जा निर्भरता घटाने के लिए सक्रिय हैं।

आरबीआई लाने जा रहा प्लास्टिक के नोट, शुरु होंगे 10 और 20 रुपए से

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भारतीय मुद्रा के स्वरूप में एक बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव करने की तैयारी में है। जल्द ही आपके बटुए में कागज की जगह टिकाऊ और सुरक्षित प्लास्टिक (पॉलीमर) के नोट देखने को मिल सकते हैं। यह कदम नोटों के फटने और खराब होने की दशकों पुरानी समस्या का समाधान करेगा, जिससे उनकी उम्र कई गुना बढ़ जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआती चरण में 10 और 20 रुपये के नोट प्लास्टिक में जारी होंगे।

मौजूदा कागज के नोटों के जल्द फटने और पानी से खराब होने की समस्या आम है। इससे निजात पाने और नोटों की उम्र बढ़ाने के लिए आरबीआई ने पॉलीमर नोट्स लाने का फैसला किया है। ये नोट पानी, नमी और धूल से सुरक्षित रहेंगे, जिससे उनकी मजबूती और जीवनकाल बढ़ जाएगा। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए आरबीआई की नोट छापने वाली कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रा प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) ने देश में पॉलीमर सब्सट्रेट शीट बनाने की सुविधा शुरू करने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया है। इसका लक्ष्य न केवल सामग्री आयात करना है, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सहयोग के माध्यम से घरेलू स्तर पर सिक्योरिटी-ग्रेड पॉलीमर सब्सट्रेट का उत्पादन करना है। ईओआई अभी खरीद आदेश नहीं, बल्कि एक योग्य भागीदार और आवश्यक तकनीक की तलाश है। दुनिया के 60 से अधिक देशों में पहले से ही प्लास्टिक नोट प्रचलन में हैं, जो उनकी मजबूती और लंबे जीवन के लिए जाने जाते हैं।

एसयूवी सेल्टोस की नई पीढ़ी अधिक आकर्षक रुप में पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टोस की नई पीढ़ी को पहले से अधिक आकर्षक, आधुनिक और सुविधाओं से भरपूर स्वरूप में पेश किया है। सेल्टोस अब नए डिजाइन सिद्धांतों के अनुरूप तैयार की गई है, जिसमें बड़ा आकार, आधुनिक तकनीक, बेहतर सुरक्षा और परिवार-केंद्रित सुविधाएं शामिल हैं। नई सेल्टोस का बाहरी स्वरूप पहले से अधिक दमदार दिखाई देता है, जो लंबी, चौड़ी और अधिक व्हीलबेस के साथ आती है, जिससे केबिन में अधिक स्थान मिलता है। इसमें नई ग्रिल, आधुनिक एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, विशिष्ट डे-टाइम रनिंग लाइट्स और दो हिस्सों में खुलने वाली विशाल कांच की छत (पैनोरमिक सनरूफ) इसे प्रीमियम लुक देते हैं। पीछे की ओर जुड़ी हुई एलईडी टेल लाइट और नया बंपर इसकी आधुनिक पहचान को मजबूत करते हैं। केबिन पूरी तरह नए स्वरूप में तैयार किया गया है, जहाँ लंबे व्हीलबेस के कारण पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त लेगरूम है। डैशबोर्ड पर एकीकृत डिजिटल डिस्प्ले व्यवस्था दी गई है, जिसमें चालक सूचना पटल और स्पर्श आधारित मनोरंजन प्रणाली शामिल हैं। इसमें विद्युत समायोजन वाली चालक सीट, हवा प्रवाह वाली सीटें, 447 लीटर का सामान रखने का स्थान और पीछे की सीटों को मोड़ने की सुविधा जैसी चीजें रोजमर्रा की उपयोगिता को बढ़ाती हैं।

नई सेल्टोस उन्नत संपर्क तकनीक (कनेक्टेड कार फीचर्स), ओवर-द-एयर अपडेट, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो/एप्पल कारप्ले, आठ स्पीकर वाला प्रीमियम ध्वनि तंत्र, वायरलेस मोबाइल चार्जिंग और 360 डिग्री कैमरा जैसी सुविधाएं प्रदान करती है, जिससे सवारी का अनुभव और भी सुविधाजनक बनता है। सुरक्षा के मोर्चे पर, नई सेल्टोस को मजबूत संरचना, छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्थिरता नियंत्रण और अन्य महत्वपूर्ण प्रणालियों के साथ तैयार किया गया है। नए शीर्ष संस्करणों में कुल 28 उन्नत चालक सहायता प्रणाली सुविधाएं जैसे आगे टक्कर से बचाव, स्मार्ट क्रूज नियंत्रण और लेन परिवर्तन सुरक्षा भी मिलती हैं। इसे भारत एनसीएपी परीक्षण में पांच सितारा सुरक्षा रेटिंग भी प्राप्त हुई है, जो इसे वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए सबसे सुरक्षित वाहनों में से एक बनाती है।

शीर्ष 5 कंपनियों का मार्केट कैप 1.54 लाख करोड़ बढ़ा

- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ

मुंबई। बीते सप्ताह शेयर बाजार के सकारात्मक माहौल के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.54 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ, जबकि एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल जैसी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 582.06 अंक और एनएसई निफ्टी 127.4 अंक के लाभ में रहा। इस सकारात्मक रुख का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन पर पड़ा, जिससे उनकी हैसियत बढ़ गई। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 72,072.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने हाल ही में जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 4.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 29,062.06 करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने बाजार पूंजीकरण में 23,884.93 करोड़ रुपये का इजाफा किया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 21,946.5 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का पूंजीकरण 7,338.34 करोड़ रुपये बढ़ा। हालांकि, यह सप्ताह सभी के लिए फायदेमंद नहीं रहा। एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी पांच कंपनियों की बाजार हैसियत में गिरावट देखी गई। एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 18,097.72 करोड़ रुपये, एलआईसी का 12,080.75 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 7,706.45 करोड़ रुपये घट गया।

त्योहारों की दस्तक, मंडियों में सन्नाटा, तेल-तिलहन बाजार में जोरदार उछाल

- किसान नहीं बेच रहे सस्ते में, घट गई सोयाबीन-सरसों की आवक

नई दिल्ली। आगामी त्योहारों की बढ़ती मांग और मंडियों में किसानों की कम आवक के चलते देश के तेल-तिलहन बाजारों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन समेत कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में मजबूती देखी गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार किसानों को सोयाबीन जैसी फसलों के पहले ही बेहतर दाम मिल चुके हैं, जिसके चलते वे अब कम कीमत पर बिक्री से कतरा रहे हैं। मंडियों में आवक बेहद कम बनी हुई है, खासकर सोयाबीन की आवक दैनिक खपत की तुलना में काफी कम है। बिनौले की उपलब्धता तो लगभग नगण्य है। दूसरी ओर आगामी त्योहारी मांग जोर पकड़ रही है। बरसात के मौसम में अचार उद्योग से सरसों की मांग बढ़ी है। बिनौले की अनुपलब्धता के कारण ब्रांडेड कंपनियां मूंगफली तेल की ओर रुख कर रही हैं। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट और सरकार द्वारा पाम-पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि ने भी आयातित तेलों को महंगा कर दिया है, जिससे सभी खाद्य तेलों में मजबूती आई है। इस स्थिति में सरसों का तेल अब सोयाबीन और पाम-पामोलीन से 10-15 रुपये प्रति किलो महंगा बिक रहा है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने किसानों को आकर्षित करने के लिए भविष्य के खरीद भाव 7,700 से बढ़ाकर 8,100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिए हैं। वहीं, नगण्य उपलब्धता के कारण देश की लगभग 97% बिनौला पेराई मिलें बंद हो चुकी हैं, जिससे बिनौला तेल में भी तेजी है। आयातित खाद्य तेलों में पहले हो रहे घाटे में भी कुछ कमी आई है।

तिमाही नतीजे, पश्चिम एशिया तनाव तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- निवेशकों की नजर मानसून, कच्चे तेल और वैश्विक घटनाक्रमों पर, कई दिग्गज कंपनियों के आएंगे नतीजे

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण अत्यधिक उतार-चढ़ाव का सामना कर सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों की दिशा दलाल स्ट्रीट की चाल को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए प्रमुख संकेतक रहेंगी। बाजार के जानकारों के अनुसार इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही परिणाम और वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों की बुवाई की स्थिति पर निवेशकों की गहरी नजर रहेगी, क्योंकि इनका सीधा असर ग्रामीण मांग, खाद्य महंगाई और भारतीय रिजर्व बैंक की भविष्य की मौद्रिक नीतियों पर पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव पर निवेशक करीबी नजर रखेंगे। उनका कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने से बाजार में सकारात्मक माहौल बन सकता है, जबकि सैन्य तनाव बढ़ने या होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है। इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियां अपने तिमाही परिणाम जारी करेंगी, जिनमें इन्फोसिस, वन97 कम्युनिकेशंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, बजाज ऑटो, डॉ. रेड्डीज लैब, इंडसइंड बैंक, नेस्ले इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

अदाणी को अमेरिकी रिश्वतखोरी मामले में बड़ी राहत

- गहन कानूनी रणनीति से खत्म हुआ केस

नई दिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में चल रहे बहुचर्चित रिश्वतखोरी और प्रतिभूति धोखाधड़ी मामले में बड़ी राहत मिली है। एक व्यापक कानूनी रणनीति के बाद अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने इस आपराधिक मुकदमे को वापस ले लिया है। हाल ही में सार्वजनिक किए गए अदालती दस्तावेजों से पता चला है कि अदाणी के बचाव पक्ष की ओर से पेश 600 पृष्ठों के कानूनी तर्कों और विशेषज्ञ रिपोर्ट ने डीओजे को अपना फैसला बदलने पर मजबूर किया। अदाणी के प्रमुख वकील रॉबर्ट जे. गिफ्रा जूनियर के नेतृत्व में कानूनी टीम ने करीब 10 सप्ताह तक चली एक गहन कानूनी प्रक्रिया के तहत बचाव पक्ष के जवाब और प्रस्तुतियां दाखिल कीं। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों का प्रयोग ऐसे मामलों पर हो रहा था, जिनका अधिकांश हिस्सा अमेरिका के बाहर हुआ। अमेरिकी न्याय विभाग ने भारत में केंद्रित घटनाओं, अधिकार क्षेत्र से जुड़ी कठिनाइयों, पर्याप्त सबूतों की चुनौती और बदली हुई प्रवर्तन प्राथमिकताओं को कारण बताते हुए मामले को वापस लिया। यह मामला नवंबर 2024 में शुरू हुआ था, जब अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अदाणी और अन्य पर भारत में सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंधों के लिए 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने और निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया था।

कच्चा तेल 13 फीसदी महंगा होकर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार

- ईरान-अमेरिका तनाव से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल हुआ महंगा

नई दिल्ली। रविवार को एक बार फिर तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे कीमतें पुराने स्तर पर बनी हुई हैं। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण क्रूड ऑयल एक बार फिर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिससे आने वाले समय में घरेलू ईंधन की कीमतों में इजाफे की आशंका बढ़ गई है। पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत का बड़ा इजाफा देखा गया, जिसके चलते कीमतें एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 80 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के तेज होने के कारण हुई है। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरुआती दिनों में क्रूड ऑयल 110 डॉलर प्रति बैरल के आंकड़े को भी पार कर गया था, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। मौजूदा स्थिति में भी तेल कंपनियां नुकसान झेल रही हैं और यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल महंगा होना तय है। देश में पेट्रोल और डीजल के दाम आखिरी बार मई के महीने में बढ़ाए गए थे। उस समय 15 से 30 मई के दौरान चार बार कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप ईंधन 7.5 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया था। तब से लेकर अब तक ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, देश के कई शहरों में पेट्रोल पहले ही 110 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर चुका है, जैसे बेंगलुरु (111.37 रुपये), हैदराबाद (115.69 रुपये), मुंबई (111.21 रुपये) शामिल हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय रहिकवारा में कक्षा 6वीं के लिये आवेदन 31 जुलाई तक

सतना नवोदय विद्यालय समिति, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जवाहर नवोदय विद्यालय रहिकवारा में सतना एवं मैहर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए होने वाली चयन परीक्षा सत्र 2027-28 के ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हो चुके हैं, आवेदन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2026 है। इच्छुक अभ्यर्थी आनलाइन सेंटर में जाकर/मोबाइल से लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते है। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि अभ्यर्थी को सत्र 2026-27 में सतना एवं मैहर जिले के किसी शासकीय/मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए एवं जिले का निवासी होना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत विशेष पंजीकरण अभियान प्रारंभ

सतना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत सतना जिले में विशेष पंजीकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। सहायक श्रमायुक्त रीता संभाग सतना द्वारा बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। योजना में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के वे श्रमिक पात्र हैं, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम है।

2 हजार की रिश्वत लेते बीट गार्ड लोकायुक्त के हत्थे चढ़ा

सिंगरौली कीर्ति प्रभा जिले के बरगवां वन परिक्षेत्र में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ओबरी जंगल चौकी के बीट गार्ड अखिलेश शुक्ला को ?2 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसारए ओबरी क्षेत्र के निवासी रामलोचन प्रजापति से किसी कार्य के एवज में बीट गार्ड अखिलेश शुक्ला द्वारा रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना लोकायुक्त पुलिस को दी। शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की।

पूर्व निर्धारित योजना के तहत जैसे ही रामलोचन प्रजापति ने केमिकल लगे ?2 हजार आरोपी को दिएए पहले से मौके पर मौजूद लोकायुक्त टीम ने तत्काल उसे दबोच लिया। इसके बाद कराई गई रासायनिक जांच में बीट गार्ड के हाथ गुलाबी हो गएए जिससे रिश्वत लेने की पुष्टि हुई।

जिला अस्पताल में मेडिकल बोर्ड की सेवाएं अब तय दिवस पर

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला अस्पताल सीधी में मेडिकल बोर्ड की सेवाओं को अधिक व्यवस्थित किया गया है। अब मेडिकल बोर्ड द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सप्ताह के निर्धारित दिवस तय किए गए हैं। इस व्यवस्था से आमजन को अनावश्यक प्रतीक्षा एवं बार-बार अस्पताल आने की परेशानी से राहत मिलेगी, वहीं प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया भी अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी होगी।

रिलायंस से श्रमिक लापता का मामला

सिंगरौली कीर्ति प्रभा जिले के रिलायंस सासन पावर प्लांट से एक श्रमिक के लापता होने की सूचना सामने आई है। जानकारी के अनुसारए खमरिया निवासी जगदीश साकेत शुक्रवार सुबह अपनी ड्यूटी के लिए प्लांट पहुंचे थेए लेकिन इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका।

जेंडर समानता, खेल एवं नशे के दुष्परिणामों को लेकर
विद्यार्थियों को किया जागरूक

सीधी जिला कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में जिले में महिला एवं बाल सुरक्षा, लैंगिक समानता और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सरोज खरे के नेतृत्व में शासकीय हाई स्कूल कोतरकला में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जेंडर समानता, महिला सम्मान, खेलों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, नशे से होने वाले दुष्प्रभाव तथा आपातकालीन सहायता सेवाओं के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

केस वर्कर अरुणिमा पाठक ने जेंडर समानता विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि समाज तभी सशक्त बन सकता है, जब लड़कियों और लड़कों को समान अवसर, समान अधिकार और समान सम्मान मिले। उन्होंने विद्यार्थियों से महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने, लैंगिक भेदभाव का विरोध करने तथा किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में बिना डर और संकोच के सहायता लेने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न शासकीय सेवाओं और सहायता तंत्र की जानकारी भी दी। केस वर्कर पुष्पलता शर्मा ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त आधार हैं। नियमित खेलकूद से शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल और अन्य नकारात्मक गतिविधियों से दूरी बनाकर नियमित रूप से खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। केस वर्कर मंजुला मिश्रा ने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि तंबाकू, गुटखा, शराब और अन्य मादक पदार्थ युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डालते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने मित्रों, परिवार और समाज को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा ही स्वस्थ और सशक्त समाज की आधारशिला होते हैं।

महिला किसान पाठशाला से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

सिलवार में प्राकृतिक खेती का मिला व्यवहारिक प्रशिक्षण

सीधी ग्रामीण महिलाओं को कृषि क्षेत्र में तकनीकी रूप से सशक्त बनाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा कृषि लागत कम करते हुए आय बढ़ाने के उद्देश्य से विकासखंड मझौली की ग्राम पंचायत सिलवार में महिला किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रभारी जिला प्रबंधक कृषि विजय शंकर गिरी गोस्वामी के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की व्यवहारिक तकनीकों से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने महिलाओं को बताया कि बदलते कृषि परिदृश्य में प्राकृतिक खेती न केवल भूमि की उर्वरता को संरक्षित करती है, बल्कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर होने वाले अनावश्यक खर्च को भी कम करती है। स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर तैयार किए जाने वाले जैविक कृषि आदान किसानों के लिए किफायती होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित खाद्य उत्पादन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण सत्र में सहायक विकासखंड प्रबंधक भरत सोनी तथा प्रशिक्षक कमला कुशवाहा, विमला कुशवाहा एवं माया सिंह ने महिला किसानों को एसआरए एवं डब्ल्यूआरए की गतिविधियों की जानकारी देते हुए घर पर ही जैविक कीटनाशक तैयार करने की विधि का व्यवहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने जैविक कीटनाशकों के महत्व, उनके सुरक्षित उपयोग, फसलों में रोग एवं कीट प्रबंधन, केंचुआ खाद सहित विभिन्न जैविक उत्पादों के निर्माण एवं उपयोग की विस्तृत जानकारी भी दी।

प्रशिक्षकों ने बताया कि प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि पद्धति नहीं, बल्कि मिट्टी, जल और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम भी है। यदि किसान स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का वैज्ञानिक ढंग से उपयोग करें तो खेती की लागत कम होने के साथ उत्पादन की गुणवत्ता और बाजार में उत्पादों का मूल्य भी बेहतर प्राप्त किया जा सकता है।

विद्यालय के बच्चों ने नशा से दूर रहने का लिया संकल्प

मैहर। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक पूरे राज्य में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के नाम से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभाव से बचाना और प्रदेश को नशा मुक्त बनाना है।

इस राज्यव्यापी जन जागरूकता अभियान में हजारों बच्चों के साथ साथ पुलिस अधिकारी एवं स्टाफ के साथ साथ मैहर जिले का अग्रणी विद्यालय सीबीएसई से मान्यता प्राप्त संतथाम हायर सेकेंड्री स्कूल के प्राचार्य फादर जॉबिट के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में बच्चों ने शारीरिक शिक्षा एवं खेल विशेषज्ञ एलपी अग्रवाल के साथ उत्साह पूर्वक अपनी सहभागिता निभाई एवं संकल्प लिया कि स्वयं के साथ साथ अपने परिवार समाज एवं प्रदेश को नशा मुक्ति बनाने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

शासकीय संगीत महाविद्यालय मैहर प्राचार्य को मोहताज

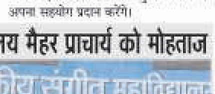

मैहर। पद्म विभूषण उस्ताद अलाउद्दीन खां का नाम समूचे विश्व में बड़े आदर के साथ लिया जाता है किंतु बड़ी विडम्बना है कि जिले का इकलौता शासकीय संगीत महाविद्यालय विगत 3 वर्ष से नियमित प्राचार्य के लिए मोहताज है। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति संचनालय भोपाल के अधीन शासकीय संगीत महाविद्यालय वर्ष 2023 से प्राचार्य के लिए ललायित है। तत्कालीन प्राचार्य सुनील भट्ट के स्थानांतरण बाद अब तक नियमित नियुक्ति सरकार द्वारा नहीं की गई। वर्तमान समय में जिनके पास मैहर का अतिरिक्त प्रभार है वह भोपाल में सहायक संचालक के पद पर है और वहीं उनकी पद स्थापना भी है। इससे छात्रों के पठन पाठन का कार्य प्रभावित तो हो ही रहे हैं ।

दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उपलब्ध कराए जाएंगे कृत्रिम हाथ-पैर एवं सहायक उपकरण

सीधी जिले के अस्थिबाधित दिव्यांग बच्चों को आवश्यकतानुसार कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर, कैलीपर्स एवं सर्जिकल शूज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष पहल शुरू की गई है। इसके तहत जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, पंचायतों तथा नगरीय निकायों में निवासरत ऐसे दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन किया जाएगा, जिन्हें दिव्यांगता के कारण दैनिक गतिविधियों के संचालन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण ने बताया कि जिले में ऐसे बच्चों की पहचान की जाएगी जिनके हाथ या पैर कटे हुए हैं अथवा जो पोलियो अथवा अन्य अस्थि संबंधी दिव्यांगता से प्रभावित हैं। चिन्हांकन के उपरांत विषय विशेषज्ञों द्वारा उनका चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाएगा तथा आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर, कैलीपर्स एवं सर्जिकल शूज उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वे दैनिक जीवन के कार्य अधिक सहजता एवं आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

इस संबंध में जिले के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, नगर पालिका अधिकारियों, शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा तथा समस्त विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि बच्चों का प्राथमिक स्तर पर चिन्हांकन कर निर्धारित प्रारूप में सूची तैयार करें तथा सात दिवस के भीतर उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय, सीधी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मैहर से विश्व मंच तक गूंजा भारतीय विज्ञान का परचम

मैहर। शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैहर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान स्थापित करते हुए 17 एवं 18 जुलाई को ईटीआरडी 2026 का भव्य आयोजन किया। इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल नेतृत्व एवं संयोजन अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिक, प्रोफेसर एवं भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पीएल वर्मा ने किया।

यह सम्मेलन साइंटिफिक एंड ह्यूमैनिटीज रिसर्च सोसाइटी जयपुर, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर राजस्थान, जयपुर और इंटरनेशनल जर्नल ऑफइनोवेटिव रिसर्च एंड ग्रोथ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। सम्मेलन में चिली, नेपाल तथा भारत के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की सहभागिता ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. लियोपोल्डो सोटो निदेशक प्लाज्मा एवं फ्यूजनए चिली न्यूक्लियर एनर्जी कमीशन ;चिली रहे। विशिष्ट अतिथि प्रो. डा. राजेंद्र कुरेरिया कुलपति अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा तथा डॉ. राजू खनाल त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन प्राचार्य डॉ. राजेश सिंह द्वारा जबकि स्वागत भाषण डॉ. पीएल वर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

आशा ने सपनों को दिया आकार, मेहनत से बदली किस्मत

आशा की कहानी, हर महिला के लिए प्रेरणा

सीधी कभी अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करने वाली ग्राम परसली की आशा साकेत आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बन गई हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उनके जीवन में ऐसा बदलाव आया, जिसने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया बल्कि उन्हें समाज में एक नई पहचान भी दिलाई। आशा साकेत ने ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सिद्धांत स्व-सहायता समूह से जुड़कर नियमित बचत और बैठकों में सक्रिय सहभागिता शुरू की। समूह की वित्तीय गतिविधियों के अंतर्गत उन्हें प्रथम चरण में कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) के माध्यम से 30 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और मनिहारी सामग्री का छोटा व्यवसाय शुरू किया। पढ़ी-लिखी होने के कारण आशा ने अपनी क्षमता को और निखारने का निर्णय लिया। उन्हें आरसेटी (रूरल) में सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण 21 जुलाई तक

पशुपालकों को नस्ल सुधार, पोषण एवं पशु स्वास्थ्य संबंधी दी जाएगी जानकारी

मैहर 19 जुलाई 2026/मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशों के परिपालन में जिले में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण का आयोजन 21 जुलाई 2026 तक किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में दुग्ध उत्पादन की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में सुधार लाना है। इसके अंतर्गत पशुपालकों को तीन प्रमुख स्तंभों नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, मैत्री कार्यकर्ता, कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता, गौसेवक एवं पशु सखी ग्राम स्तर पर भ्रमण करेंगे। अभियान के अंतर्गत 3 से 4 गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशु रखने वाले पशुपालकों के घर-घर जाकर संपर्क किया जाएगा। इस दौरान उन्हें विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर सत्यापन कार्य भी किया जाएगा तथा पशुपालकों को पशुपालन से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर श्रीमती विदिशा मुखर्जी द्वारा जारी आदेशानुसार अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर से लेकर विकासखंड स्तर तक अधिकारियों को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसके अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मैहर द्वारा जिले के न्यूनतम 3 ग्रामों का भ्रमण कर पर्यवेक्षण किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्येक विकासखंड के कम से कम 4 ग्रामों का निरीक्षण करेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत (समस्त) द्वारा भी प्रत्येक विकासखंड में न्यूनतम 4 ग्रामों का भ्रमण कर निगरानी की जाएगी। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग मैहर द्वारा जिले के प्रत्येक विकासखंड के कम से कम 2 ग्रामों का भ्रमण कर जानकारी का सत्यापन किया जाएगा।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान को गंभीरता से संचालित करते हुए अधिक से अधिक पशुपालकों तक पहुंच बनाई जाए तथा उन्हें वैज्ञानिक पद्धतियों से पशुपालन के लिए प्रेरित किया जाए।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए निर्माणाधीन अस्पताल भवन का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सीधी जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन नवीन अस्पताल भवन का कलेक्टर विकास मिश्रा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माणाधीन भवन के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण कर वार्ड, ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं, मरीजों की सुविधाओं, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता, जल निकासी, पार्किंग तथा परिसर के समुचित विकास से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नया अस्पताल भवन भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बनाया जाए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर एवं सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। भवन निर्माण के प्रत्येक चरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा तकनीकी मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए तथा जिन कार्यों में किसी प्रकार की बाधा हो, उनका समय रहते निराकरण कर निर्माण की गति बनाए रखी जाए। साथ ही सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निर्माण स्थल पर कार्यरत श्रमिकों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि जिला अस्पताल का नवीन भवन तैयार होने के बाद जिलेवासियों को एक ही परिसर में अधिक सुव्यवस्थित, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। इससे मरीजों को उपचार के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा तथा स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्षों से परेशानी झेल रहा देवसर पुराना बस स्टैंड कों बाईपास रोड के नवीनीकरण को मिली मंजूरी

सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक का प्रयास रंग लायाएबाजार को मिलेगी जाम व एक्सीडेंट और धूल से राहत

सिंगरौली कीर्ति प्रभा सिहावल विधानसभा क्षेत्र के अपेक्षित देवसर ब्लॉक को सड़क विकास के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। जनपद पंचायत देवसर अंतर्गत ग्राम पंचायत नौढ़िया क्षेत्र में स्थित पुराना बस स्टैंड रोड पर संगम ढ़ेसेस से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया तक सड़क के नवीनीकरण कार्य को स्वीकृति मिल गई है। यह स्वीकृति सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक के प्रयासों से मिली हैाकाफी समय से यह सड़क जर्जर होने के कारण स्थानीय नागरिकों व्यापारियों और राहगीरों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क की मरम्मत एवं नवीनीकरण से अब लोगों को बेहतरए सुरक्षित और सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी।

इसके साथ ही देवसर बायपास मार्ग के दुरुस्त होने के बाद भारी वाहनों का आवागमन मुख्य बाजार के बजाय बायपास से कराया जाएगा। इससे बाजार क्षेत्र में लगने वाले जाम से राहत मिलेगीएसड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी और धूल.प्रदूषण पर भी नियंत्रण लगेगा। इसका सीधा लाभ स्थानीय व्यापारियोंए विद्यार्थियोंएवाहन चालकों और आम नागरिकों को मिलेगा। सड़क नवीनीकरण की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए विधायक विश्वामित्र पाठक के प्रयासों की सराहना की। लोगों का कहना है कि यह कार्य देवसर ब्लॉक की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ.साथ क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।
- महर्षि वाल्मीकि

डंगा-डोली कर जंतर मंतर से वांगचुक को ले गई दिल्ली पुलिस

20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। 20 तारीख को कॉकरोच पार्टी ने जंतर मंतर से संसद तक मार्च करने का ऐलान किया था। सोनम वांगचुक के अनशन को 18 दिन हो चुके थे। उनका वजन करीब 9 किलो घट गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके स्वास्थ्य की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस और सरकार को निर्देश दिया था। शनिवार की सुबह 6 बजे दिल्ली पुलिस के अधिकारी डॉक्टर की वेशभूषा में जंतर मंतर पहुंचे। सफेद चादर का परदा लगाया और 5 मिनट के अंदर ही उनकी डंगा डोली करते हुए उन्हें एंबुलेंस में डाल दिया और वहां से अस्पताल रवाना हो गए। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सोनम वांगचुक के समर्थन में जिस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं, फिल्मी अभिनेताओं, शिक्षाविद और छात्रों का जन समर्थन बढ़ रहा था इसने सरकार की चिंता बढ़ा दी। छात्रों द्वारा यदि 20 जुलाई को संसद की तरफ मार्च किया, ऐसी स्थिति में राजधानी दिल्ली की शांति तथा कानून व्यवस्था बनाए रख पाना दिल्ली पुलिस के लिए सबसे बड़ी समस्या बन सकती थी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सोनम वांगचुक को जंतर मंतर से हटाकर एक तरह से आंदोलन खत्म हो जाए यह प्रयास किया था। लेकिन यह दांव सरकार और दिल्ली पुलिस को भारी पड़ता हुआ दिख रहा है।

सरकार और प्रशासन द्वारा अभी तक आंदोलनकारियों से कोई बात नहीं की गई। सोनम वांगचुक एक सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, पर्यावरणविद् के रूप में पहचाने जाते हैं। वह पेपर लीक होने वाले मामले तथा 20 छात्रों के आत्महत्या कर लेने से उद्वेलित थे। उन्हें लग रहा था कि कॉकरोच जनता पार्टी के इस आंदोलन में उनके शामिल होने और आमरण अनशन करने से सरकार गंभीर होगी। जल्द आंदोलनकारियों से बात करेगी। छात्रों की समस्या का समाधान होगा। भविष्य में पेपर लीक नहीं होंगे। लेकिन उनकी यह सोच गलत साबित हुई। उनके आमरण अनशन में जाने के बाद भी सरकार ने इस आंदोलन को और उनके आमरण अनशन को गंभीरता से नहीं लिया। जब अनशन के चलते सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने लगी तो विपक्ष के राजनीतिक दल के नेताओं, फिल्मी हस्तियों तथा विशिष्ट नागरिकों ने जंतर मंतर जाकर उन्हें अनशन समाप्त करने की गुहार लगानी शुरू कर दी। इसके साथ ही जो आंदोलन शांत पड़ा था वह गति पकड़ गया। जिसने सरकार की चिंता को बढ़ा दिया। युवाओं की भीड़ को नियंत्रित कर पाना आसानी से संभव नहीं होता है। इस बात को अब सरकार समझ रही है। सरकार की कोशिश है किसी भी तरह से छात्र संसद की ओर मार्च ना करें। जंतर मंतर से अपना आंदोलन समाप्त कर दें। लेकिन यह कैसे संभव होगा जब सरकार उनसे बात करने के लिए ही तैयार नहीं है, उल्टे जिस तरह की कार्रवाई दिल्ली पुलिस के माध्यम से कराई गई है, उसने युवाओं की नाराजी को बढ़ा दिया है।

इस मामले ने विपक्ष को एक मौका दे दिया है कि वह संसद में इन युवाओं की मांग को लेकर आक्रामक रुख अपनाए। सोनम वांगचुक भी अस्पताल में जाने के बाद वहां पर भी अनशन कर रहे हैं। उनकी पत्नी और उन्होंने कह दिया है कि उनकी मर्जी के बिना उनका ना तो इलाज किया जाए ना ही अनशन तुड़वाया जाए, जिसके कारण दिल्ली पुलिस और सरकार की मुसीबत अब बढ़ती चली जा रही है। आज सोमवार से मानसून सत्र शुरू हो रहा है, राहुल गांधी और कांग्रेस भी इस मामले को जोर-शोर से सड़कों पर उठा रही है। यह मामला धीरे-धीरे उलझता ही जा रहा है। इसकी परिणीति किस रूप में होगी इसको लेकर सभी ओर संशय बरकरार है। भीड़- तंत्र को खासतौर पर युवाओं के विरोध को नियंत्रित कर पाना सबसे कठिन काम होता है। युवाओं की इस भीड़ में ऊर्जा तो बहुत होती है लेकिन समझ नहीं होती है। ऐसी स्थिति में दिल्ली पुलिस और सरकार के पास मात्र एक विकल्प रह गया है, वह आंदोलनकारियों के नेताओं से बात करें। उनकी समस्याओं का समाधान करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो यह आंदोलन सरकार के साथ-साथ सभी के लिए दुखदाई साबित हो सकता है। इस बात का सरकार को ध्यान रखना होगा।

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद!

किसी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, यह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाने लगें या उन पर प्रतिबंध लगाने लगें, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं , देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-फ्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वारंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है।

जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। वैश्विक व्यापार में खोया हुआ बाजार वापस पाना वर्षों की मेहनत मांगता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र के अल्फांसो उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। विडंबना यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश होने के बावजूद भारत अपनी कुल आम उपज का लगभग एक प्रतिशत ही निर्यात कर पाता है। समस्या उत्पादन की नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण, प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन और गुणवत्ता नियंत्रण की है।

चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देतीं? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देंगी, तो मेड इन इंडिया की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। सरकार ने जांच के निर्देश दिए, स्पाइस बोर्ड ने मानक कड़े किए और कुछ राज्यों ने कार्रवाई भी की। यह समस्या छिटपुट कदमों से हल नहीं होगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था को जीरो एरर की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार सस्ता माल नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समय आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों

जि़ंदगी और कूटनीति- शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानती है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले हमारे पुरखे इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरुआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बॉस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आप जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बर्बादी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है।

आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुर्बानी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है।

वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आज़ाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है।

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है।

चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अतः उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शाश्वत हैं, कर्म शाश्वत नहीं है।

परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान है- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमी तिथि, षष्ठी, सोमवार, हस्त नक्षत्रे, शिशिर योगे, तैतिल करणे, कन्या की चंद्रमा, पुष्पे रवि 44/40 चंद्रयोग, वाहन, अग्नि, नाड़ी, खंडवृष्टि, जातकर्म, नामाकरण तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी?

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृति वाला, धनी-मानी, वक्ता-प्रवक्ता, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, विभागीय अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा उत्तम कुल भूषण, दानी-मानी, धर्मशाला निर्माणकर्ता होगा।

मेष राशि :- मानसिक बेचैनी, दुर्घटनाग्रस्त होने से बचें, अधिकारियों से तनाव बनेगा।
वृष राशि :- योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन जुटायेंगे तथा विशेष लाभ अवश्य होगा।
मिथुन राशि :- अचानक हुआ झगड़ा कष्टप्रद होगा, विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य की अधिकता रहेगी।
कर्क राशि :- परिश्रम से कुछ सफलता मिले, कार्य-व्यवसाय की विशेष चिन्ता बनेगी।
सिंह राशि :- किसी अपवाद व दुर्घटना से बचें, व्यवसायिक क्षमता में बाधा बनेगी।
कन्या राशि :- व्यवसायिक गति उत्तम होगी, चिन्ता कम होगी, अवरोध के बाद कार्य बनेंगे।
तुला राशि :- मानसिक बेचैनी, उद्विग्नता के योग बनेंगे तथा कुटुम्ब में क्लेश होगा।
वृश्चिक राशि :- सामर्थ्य वृद्धि के बाद तनाव, झगड़ा व झंझट की स्थिति बनेगी, धैर्य से कार्य करें।
धनु राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें कष्टप्रद होंगी, तनाव तथा धन का व्यर्थ व्यय होगा।
मकर राशि :- योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन अवश्य ही जुटायें, कार्य बनेंगे।
कुंभ राशि :- स्वाभव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी तथा अनेक कार्य बिगड़ जायेंगे ध्यान दें।
मीन राशि :- तनाव, क्लेश तथा अशांति का वातावरण बनेगा, परिश्रम विफल होगा, कार्यगति मंद होगी।

रेप पीड़िता- सुप्रीम कोर्ट का आया निर्णय एक सबक, उनके लिए जो अपनी जिम्मेदारी से भागते हैं!

गाजियाबाद की चार वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को इलाज देने से इनकार करने वाले दो निजी अस्पतालों पर सर्वोच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणी ने सभी देशवासियों का अपनी ओर ध्याइन खींचा है। पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था, पुलिस तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सामाजिक संवेदनशीलता पर ऐसे मामले सामने आने पर गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं। मु

एक तरह से देखें तो मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने जिस स्पष्टता से कहा कि यदि आपने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया तो अपने नाम के आगे डॉक्टर लिखने का कोई अधिकार नही है, यह उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो अपने पेशे को केवल व्यवसाय समझ बैठे हैं या जो जिम्मेखदारी उन्हें मिली है, उससे जुड़ा वह कार्य जिम्मेखदारीपूर्वक पूर्ण करना नहीं चाहते।

इस घटना में चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। परिजन उसे उपचार के लिए दो निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, किंतु दोनों ने भर्ती करने से मना कर दिया। जब तक बच्ची को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद यह भी सामने आया कि स्थानीय पुलिस ने भी तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की। जनाक्रोश के बाद मामला दर्ज हुआ और प्रारंभिक रिपोर्ट में पॉक्सो तथा भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराएं भी तत्काल नहीं जोड़ी गई। अर्थात एक बच्ची के साथ अपराध होने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था और पुलिस, दोनों अपने प्रथम दायित्व का निर्वहन करने में विफल रहे।

क्याध देश में घटी ये घटना अपवाद है? यदि गहराई से देखें तो बिल्कुल नहीं, न जानें ऐसी कितनी ही घटनाएं हमारे समाज में घट रही हैं, तभी तो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया-2023 रिपोर्ट देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के 4.45 लाख से अधिक मामले दर्ज होना बता रही है। अर्थात औसतन प्रतिदिन लगभग 1,220 महिलाएं किसी न किसी अपराध का शिकार होती हैं।

वहीं बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1.60 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफिंसेज एक्ट (पॉक्सोश अधिनियम) के अंतर्गत लगभग 65 हजार मामले शामिल थे। इसका अर्थ है कि औसतन हर दिन लगभग 175 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध दर्ज होते हैं। जिसमें क यह संख्या् तब है जब कि यौन अपराधों के अनेक मामले सामाजिक दबाव, भय और बदनामी की आशंका के कारण दर्ज ही नहीं हो पाते!

भारतीय कानून इस विषय में बिल्कुल स्पष्ट है। बीएनएसएस की धारा 397, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 357सी तथा भारतीय न्याय संहिता लागू होने से पूर्व बीएनएसएस धाराओं में व भारतीय दंड संहिता की धारा 166बी के तहत किसी भी अस्पताल चाहे वह सरकारी हो या निजी यौन अपराध पीड़िता को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अनिवार्य है। ऐसा करने से इनकार करना दंडनीय अपराध है। इसके अतिरिक्त पॉक्सोम अधिनियम भी बच्चों के मामलों में तत्काल चिकित्सकीय सहायता और साक्ष्य संरक्षण की स्पष्ट व्यवस्था करता है।सर्वोच्च न्यायालय पूर्व में भी परमानंद कटारा बनाम भारत संघ (1989) के ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट कर चुका है कि जीवन बचाना प्रत्येक डॉक्टर का सर्वोच्च कर्तव्य है और उपचार देने से पहले कानूनी औपचारिकताओं का बहाना नहीं बनाया जा सकता। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठनज् भी मानता है कि यौन हिंसा की पीड़िता के लिए पहले 24 घंटे अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी अवधि में जीवनरक्षक उपचार, संक्रमण से बचाव, डीएनए साक्ष्य संरक्षण और मनोवैज्ञानिक सहायता सबसे प्रभावी होती है। ऐसे में यदि अस्पताल ही मरीज को लौटा दें तो उपचार के अभाव में उसका जीवन तो संकट में पड़ता ही है, साक्ष्यय समाप्त होने की सा पति में न्याय की संभावना भी कमजोर हो जाती है।

पुलिस की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के बाद प्रत्येक पुलिस अधिकारी के लिए यौन अपराध की शिकायत तत्काल दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2013) में स्पष्ट कर चुका है कि संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर एफआईआर दर्ज करना पुलिस का कानूनी दायित्व है। इसके बावजूद अनेक मामलों में पुलिस प्रारंभिक स्तर पर समझौते, दबाव या अनावश्यक जांच के नाम पर शिकायत दर्ज करने में देरी करती है तो निश्चित तौर पर इसमें पुलिस भी दोषी है। एक तरह से देखें तो गाजियाबाद की घटना में भी यही स्थिति सामने आई है, इसलिए ये घटना एक सबक है।

वास्तव में अब सरकारों को चाहिए कि वे नीतिगत सुधार के लिए आगे आएं। देश के सभी निजी अस्पतालों के लिए यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि वे यौन अपराध पीड़ितों के उपचार से इनकार करने पर जुर्माना भरेंगे। साथ ही लाइसेंस निलंबन और आपराधिक कार्रवाई का भी सामना करेंगे। प्रत्येक जिले में वन स्टॉप सेंटर की कार्यक्षमता बढ़ाए जाने की आवश्याकता ध्यातन में आती है। देश में आज 1000 के अंदर नहीं 2000 से अधिक वन स्टॉप सेंटर की आवश्युकता है।

इसी प्रकार 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा महिला सहायता तंत्र को जिला अस्पतालों, पुलिस नियंत्रण कक्ष और बाल संरक्षण इकाइयों के साथ डिजिटल रूप से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि किसी भी घटना के बाद अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय में समय नष्ट न हो। इसी प्रकार एक जरूरत उन अधिकारियों या संस्थानों की लापरवाही के खिलाफ भी खड़े होने की है, जोकि इस तरह अपनी जिम्मेदारियों से भागनेवाला कार्य करते हैं। यहां यह भी समझें कि गाजियाबाद की यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें पूरे तंत्र की परतें खुलती हुई दिख रही हैं। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने डॉक्टरों को कठोर शब्दों में फटकार लगाकर स्पष्ट किया है कि चिकित्सा का पेशा वास्तव में सेवा का सर्वोच्च दायित्व है। अब आवश्यकता इस संदेश के सार्वजनिक होने की है, ताकि अस्पतालों की कार्यसंस्कृति, पुलिस की प्राथमिक कार्रवाई, निगरानी आयोगों की सक्रियता और शासन की जवाबदेही का स्थायी आधार बने।

फिल्म वर्ग पहेली- 7269

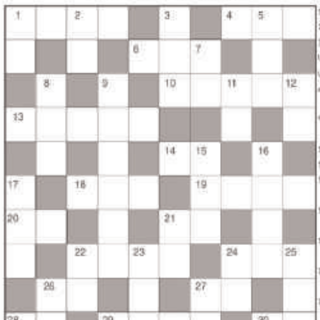

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-३
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
४. 'ऐ ज़िंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
५. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंता की 'खामख बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-६
१४. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथुन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२१. राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, जोगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अनिल धवन, मंदाकी की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो ज़रा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्षी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की 'बाबूजी ज़रा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जज़्बात से खेले' गीत वाली चंदनदास का ग़ज़ल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीली इश्क दी व्हिस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7268

कौवे के व्यवहार में छिपी सुरक्षा और सीखने की प्रवृत्ति

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों के लिए कौवों की सामाजिक समझ और सामूहिक व्यवहार लंबे समय से अध्ययन का विषय बना हुआ है। अपने साथी कौवे की मौत होने पर अन्य कौवे बड़ी संख्या में वहां इकट्ठा हो जाते हैं, तेज आवाज में कांव-कांव करते रहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कौवे के इस तरह के व्यवहार के पीछे सुरक्षा और सीखने की प्रवृत्ति भी छिपी होती है। विशेषज्ञों के अनुसार जब किसी कौवे की मृत्यु होती है तो आसपास मौजूद कोई अन्य कौवा तेज आवाज निकालकर अपने समूह को सतर्क करता है। यह आवाज सुनकर कुछ ही समय में कई अन्य कौवे वहां पहुंच जाते हैं।

नेपाल में चोरी और लूटपाट के आरोप में दो भारतीयों समेत नौ लोग गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पोखरा में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी और लूटपाट की वारदातों में शामिल नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्यालय ने जानकारी देते हुए बताया कि ये गिरफ्तारियां गंडकी प्रांत के कास्की जिले में की गई हैं। पकड़े गए आरोपियों में दो भारतीय और दो चीनी नागरिकों के साथ पांच नेपाली भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए भारतीय नागरिकों की पहचान यूपी राहुल निषाद (23) और महाराष्ट्र के सोमनाथ जाधव (40) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह पोखरा शहर में चोरी और लूटपाट की कम से कम छह वारदातों में शामिल था।

3डी प्रिंटिंग से आधे घंटे में तैयार हुआ पुल

मैसाचुसेट्स। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने निर्माण तकनीक में 3डी प्रिंटिंग की सहायता से एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

नई तकनीक की मदद से मात्र 30 मिनट में एक पुल का निर्माण कर दिया। इस तकनीक में विशेष 3डी कंक्रीट प्रिंटर द्वारा कंप्यूटर आधारित डिजाइन के अनुसार परत-दर-परत निर्माण किया जाता है। पारंपरिक निर्माण की तुलना में समय और लागत दोनों में भारी कमी होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रक्रिया में करीब 76 प्रतिशत तक कंक्रीट की बचत संभव हुई है। सामग्री का उपयोग केवल आवश्यक स्थानों पर होने से निर्माण अधिक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल बनता है।

ईरान के हमले के बाद खाड़ी देशों में पानी के संकट की आशंका

कुवैत सिटी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अब चिंता केवल तेल, गैस और होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित नहीं रही है। ईरान के ताजा हमले ने इस क्षेत्र के लिए एक नए खतरे की ओर ध्यान खींचा है, जो पीने के पानी की आपूर्ति से जुड़ा है। शुक्रवार को कुवैत के एक बिजली और डिसेलिनेशन (समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने वाले) संयंत्र को निशाना बनाए जाने के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में जल सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

होर्मुज बंद होने से दुनिया चिंतित, खाड़ी देश इस रूट का खोज रहे विकल्प

-सऊदी अरब और यूएई बना रहे बाइपास तेल और गैस पाइपलाइन

दुबई। पिछले दिनों ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के बाद होर्मुज खुला था, लेकिन हालिया तनाव के चलते से फिर बंद कर दिया गया है। इस समुद्री रूट से गुजरने वाले टैंकरों पर हमले हुए हैं, जिससे यातायात बहुत कम हो गया है। इसने दुनिया के बड़े हिस्से की चिंता बढ़ा दी है। खासतौर से खाड़ी देशों में अपने तेल और गैस के एक्सपोर्ट की चिंता है। ऐसे में तेल-गैस से संपन्न खाड़ी देश इस रूट के विकल्प खोज रहे हैं। वे नई पाइपलाइनों और एक नए बंदरगाह के जरिए भविष्य में किसी भी रुकावट से निपटने की तैयारी कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जानकारों का कहना है कि ईरान कुछ महीनों तक होर्मुज का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। उनका तर्क है कि युद्ध ने दुनिया को हालात के हिसाब से ढलने और ऊर्जा के लिए सिर्फ एक संकरे रास्ते पर अपनी भारी निर्भरता कम करने के लिए मजबूर किया है। हालांकि लंबे समय में ये विकल्प कितने कारगर होंगे, इस पर राय बंटी हुई है। ईरान पर हमले 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया का पांचवां हिस्सा तेल और गैस का व्यापार होर्मुज से होता था। इससे बाकी दुनिया को रोजाना 2 करोड़ बैरल तेल मिलता था। एक्सपर्ट का दावा है कि लड़ाई फिर से शुरू होने के बावजूद ग्लोबल ऑयल मार्केट में घबराहट कम है, जिसकी वजह आपातकालीन योजनाएं हैं।

ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन 1980 के दशक की शुरुआत में बनाई गई थी। यह सऊदी अरब में 1,200 किलोमीटर लंबे नेटवर्क के जरिए कच्चा तेल ले जाती है और पूर्व में अबकैक ऑयल प्रोसेसिंग सुविधा को पश्चिम में यानबू के रेड सी पोर्ट से जोड़ती है। यहां से सऊदी तेल टैंकरों में भरा जाता है और रेड सी से होते हुए स्वेज नहर के जरिए यूरोप या बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से गल्फ ऑफ एडेन तक ले जाया जाता है। इस पाइपलाइन की क्षमता रोजाना 70 लाख बैरल तेल प्रोसेस करने की है। सऊदी अरब अब इसकी क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यूएई क्रूड ऑयल पाइपलाइन पर काम कर रहा है। यह अबू धाबी के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में मौजूद तेल क्षेत्रों से हर दिन 1.8 मिलियन बैरल तक तेल उस अमीराती टर्मिनल तक ले जा सकती है। यह जलडमरूमध्य के पूर्वी हिस्से में है, जो चोक पॉइंट से बचकर निकलता है। यूएई होर्मुज पर अपनी निर्भरता को और कम करने के लिए एक नया बंदरगाह बनाने की भी कोशिश कर रहा है। दुबई की एक सप्लाई चेन कंपनी फुजैराह के तटीय इलाके में एक नया बंदरगाह और कंटेनर टर्मिनल बनाने के लिए बातचीत कर रही है, जहां मौजूदा हबशान-फुजैराह पाइपलाइन खत्म होती है।

बीएलए ने 14 दिनों में 48 हमले किए, दहशत में पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा स्थिति लगातार चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने 1 जुलाई से 14 जुलाई के बीच प्रांत के विभिन्न इलाकों में 48 हमले किए। संगठन के अनुसार, इन हमलों में 40 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कई सैन्य ठिकानों, वाहनों तथा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया गया। हालांकि, पाकिस्तान सरकार और सेना ने इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

स्वतंत्र स्रोतों से भी इन घटनाओं और हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है, इसलिए इन दावों की सत्यता स्पष्ट नहीं है।

बीएलए के अनुसार, 1 जुलाई को मस्तुंग के दश्त क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के एक आपूर्ति वाहन को निशाना बनाया गया, जिसमें दो सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया। इसी दिन नोश्की और पंजगुर में मालवाहक वाहनों पर भी हमले किए गए। संगठन ने यह भी दावा किया कि 3 जुलाई को नोश्की के जरीन जंगल में आईईडी विस्फोट के जरिए एक सैन्य वाहन को नुकसान पहुंचाया गया, जबकि मस्तुंग के खिल्ली रोड पर स्थित एक पुल को भी विस्फोट से क्षतिग्रस्त किया गया। संगठन का कहना है कि 3 और 4 जुलाई के दौरान उसने हरनाई-शाहरग और जियारत मार्गों पर दो दिनों तक नियंत्रण बनाए रखा तथा नोश्की-खारान मार्ग के दो पुलों को विस्फोट से उड़ा दिया। इसके अलावा 4 जुलाई को केच जिले के टंप क्षेत्र में सैन्य वाहनों पर हमला करने और 5 जुलाई को अहमद वाल पुलिस थाने पर कब्जा कर उसमें आग लगाने का भी दावा किया गया। संगठन के मुताबिक, तीन पुलिसकर्मियों को हिरासत में लेने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

बीएलए का कहना है कि 6 से 14 जुलाई के बीच सुराब, खुजदार, हरनाई, कलात, वाशुक, बुलेदा, खारान, पंजगुर और नोश्की समेत कई क्षेत्रों में सैन्य काफिलों, चौकियों, पुलों और राजमार्गों को निशाना बनाया गया। संगठन ने कई स्थानों पर घात लगाकर हमले करने, चौकियों पर कब्जा करने और विस्फोटकों के जरिए बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने का दावा भी किया है।

सौहार्द की मिसाल बना छोटा-सा द्वीपीय देश मॉरीशस

पोर्ट लुइस। हिंद महासागर में स्थित छोटा-सा द्वीपीय देश मॉरीशस लंबे समय से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का उदाहरण माना जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के लोग यहां एक साथ रहते हैं और सार्वजनिक जीवन में धार्मिक सद्भाव को विशेष महत्व दिया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि समान अधिकार, समावेशी नीतियां और सामाजिक सहयोग की भावना ने मॉरीशस को बहुसांस्कृतिक समाज के सफल मॉडल के रूप में स्थापित किया है। करीब 13 लाख की आबादी वाले मॉरीशस में हिंदू समुदाय सबसे बड़ा है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 48 प्रतिशत मानी जाती है। इसके अलावा लगभग 26 प्रतिशत ईसाई, 17 प्रतिशत मुस्लिम तथा बौद्ध, सिख, बहाई और अन्य धर्मों के अनुयायी भी यहां रहते हैं। देश की आबादी में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी भागीदारी है, जिनमें उत्तर भारतीय, तमिल, तेलुगु और मराठी समुदाय शामिल हैं। इनके साथ ही क्रियोल, चीनी और फ्रांसीसी मूल के नागरिक भी मॉरीशस के सामाजिक ताने-बाने का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मॉरीशस की सबसे बड़ी ताकत उसका संविधान है, जो सभी धर्मों को समान अधिकार प्रदान करता है। देश का कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है और सरकार विभिन्न समुदायों के प्रमुख धार्मिक पर्वों को सार्वजनिक अवकाश के रूप में मान्यता देती है।

दिवाली, ईद, क्रिसमस, चीनी नववर्ष और अन्य प्रमुख त्योहार राष्ट्रीय स्तर पर मनाए जाते हैं। इससे सभी समुदायों में समान सम्मान और सहभागिता की भावना विकसित होती है। शिक्षा व्यवस्था को भी सामाजिक सद्भाव का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। स्कूलों में विद्यार्थियों को विविधता, सहिष्णुता और आपसी सम्मान का महत्व सिखाया जाता है। इतिहास की पढ़ाई में भी विभिन्न समुदायों के योगदान और साझा विरासत पर विशेष जोर दिया जाता है। सामाजिक जीवन में लोग एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच आपसी मेलजोल सामान्य बात मानी जाती है। मॉरीशस की मजबूत अर्थव्यवस्था भी सामाजिक स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सिप्रि रिपोर्ट से पाक हिला- पूर्व उच्चायुक्त बोले- भारत की परमाणु तैनाती की समीक्षा कर रहा है पाकिस्तान

-रिपोर्ट में भारत के 12 परमाणु वारहेड तैनाती का दावा

इस्लामाबाद। स्वीडन स्थित थिंक-टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्रि) की हालिया रिपोर्ट में भारत द्वारा 12 परमाणु वारहेड तैनात किए जाने के दावे को लेकर पाकिस्तान में चर्चा तेज हो गई है। पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने कहा है कि इस रिपोर्ट की बातों की न तो पूरी तरह पुष्टि की जा सकती है और न ही इन्हें पूरी तरह खारिज किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए भारत की परमाणु तैनाती का आकलन कर रहा है। एक पाकिस्तानी टीवी चैनल से बातचीत में बासित ने कहा कि सिप्रि के अनुसार भारत के पास लगभग 190 और पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु वारहेड हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के वास्तविक परमाणु शस्त्रागार की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं होती, इसलिए ऐसी रिपोर्टें उपलब्ध सूचनाओं और विश्लेषण के आधार पर तैयार की जाती हैं। उनके अनुसार, सिप्रि एक प्रतिष्ठित शोध संस्थान है, जिसकी रिपोर्टों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से लिया जाता है। बासित ने कहा कि यदि भारत ने वास्तव में परमाणु वारहेड तैनात किए हैं, तो यह दक्षिण एशिया की सामरिक स्थिति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जाएगा। उनके मुताबिक, अब तक यह माना जाता था कि परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें अलग-अलग रखी जाती हैं, जबकि तैनाती का अर्थ है कि आवश्यकता पड़ने पर उनका इस्तेमाल अपेक्षाकृत कम समय में किया जा सकता है। पूर्व राजनयिक ने यह भी कहा कि भारत ने इस विषय पर न तो कोई आधिकारिक पुष्टि की है और न ही इनकार किया है।

दो सैनिकों की मौत के बाद भड़के अमेरिका ने ईरान पर किए ताबड़तोड़ हमले

- खाड़ी में फिर बढ़ा महायुद्ध का खतरा

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष अब और गंभीर होता जा रहा है। अमेरिकी सेना ने रविवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के ठिकानों पर नए हवाई हमले शुरू किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इन हमलों का उद्देश्य ईरान को जवाब देना और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित करने की उसकी कोशिशों को रोकना है। यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की गई, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, एक सैनिक लापता है और चार अन्य घायल होकर अस्पताल में भर्ती हैं। ईरान के दक्षिणी होरमोज्गान प्रांत के सिरिक क्षेत्र में तड़के करीब 1:30 बजे अमेरिकी बमबारी की सूचना मिली। युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार किसी सीधे ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। अब तक इस संघर्ष में 16 अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है, जबकि 430 से अधिक घायल बताए गए हैं। संघर्ष का दायरा अब ईरान और अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। इराक के उत्तरी कुर्द क्षेत्र की राजधानी इरबिल में एक कुर्दिश विद्रोही संगठन के ठिकाने पर ड्रोन हमला हुआ, जिसमें आठ लोग घायल हो गए। पिछले चार दिनों से इरबिल में लगातार धमाकों की घटनाएं सामने आ रही हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इराक के नए प्रधानमंत्री हाल ही में अमेरिका के दौरे से लौटे हैं। दूसरी ओर, कुवैत में भी ईरानी हमलों से भारी नुकसान हुआ है। एक तेल संयंत्र और समुद्री जल को पेयजल में बदलने वाले डीसैलिनेशन प्लांट को निशाना बनाया गया। कुवैत अपनी पेयजल जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत इसी संयंत्र से पूरा करता है।

सऊदी की सुरक्षा पाकिस्तान की 'रेड लाइन', तो वह निष्पक्ष मध्यस्थता कैसे कर सकता है?

-दोहरी नीति में फंसा पाक, सऊदी पर हूती हमले के बाद बढ़ी चिंता

तेहरान। पाकिस्तान एक तरफ अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, दूसरी तरफ सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौते का साझेदार है। पाकिस्तान ने ईरान को कह दिया है कि सऊदी पर हमला उसकी रेड लाइन है। सवाल यह है कि अगर सऊदी-ईरान आमने-सामने आ गए तो पाकिस्तान किस रास्ते पर चलेगा? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की ओर से इस सप्ताह सऊदी अरब पर किए गए हमलों ने पाकिस्तान की चिंता पहले से कहीं ज्यादा है। पाकिस्तान को डर है कि अगर संघर्ष और बढ़ा तो उसे केवल मध्यस्थ नहीं, बल्कि सीधे किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होना पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने जून में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौता कराने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन दूसरी ओर पिछले साल सितंबर में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पारस्परिक रक्षा समझौता भी हुआ है, जिसके तहत हजारों पाकिस्तानी सैनिक और लड़ाकू विमानों का एक स्क्वाड्रन पहले से सऊदी अरब में तैनात है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पाकिस्तान ने ईरान को साफ संदेश दिया है कि 'सऊदी अरब पर हमला, पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा। यह हमारी रेड लाइन है।' इसी बयान ने पाकिस्तान की दोहरी भूमिका पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। अगर सऊदी की सुरक्षा पाकिस्तान की 'रेड लाइन' है, तो वह ईरान के साथ निष्पक्ष मध्यस्थ कैसे कर सकता है? रिपोर्ट के मुताबिक हूतियों ने सोमवार को सऊदी अरब पर मिसाइलें दागीं। उनका आरोप था कि सऊदी ने उनके नियंत्रण वाले एयरपोर्ट पर बमबारी की थी। इससे चार साल से चला आ रहा संघर्ष विराम टूट गया, हालांकि फिलहाल यह टकराव एक ही घटना तक सीमित है। पाकिस्तानी सुरक्षा मामलों के विश्लेषक मुहम्मद आमिर राणा ने कहा कि इस्लामाबाद को इतनी तेजी से तनाव बढ़ने की उम्मीद नहीं थी।

इमरान की बहन बोलीं- पाक के गिड़गिड़ाने पर भारत ने रोका था हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक बड़ा दावा किया है, जिससे पड़ोसी देश की सियासत और सैन्य गलियारों में हड़कंप मच गया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि भारतीय सेना के लगातार और भीषण हमलों के सामने पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व की हालत पूरी तरह खराब हो गई थी। भारत की इस एकतरफा सैन्य कार्रवाई से घबराकर पाकिस्तानी हुक्मरान मदद की भीख मांगने के लिए अंतरराष्ट्रीय ताकतों के पास पहुंचे थे।

नूरीन ने आरोप लगाया कि भारत के हमलों को रोकने में पूरी तरह विफल रहने के बाद तमाम गुप्त समझौतों के जरिए पाकिस्तान की इज्जत को ताक पर रख दिया गया। उन्होंने वर्तमान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये इस करारी शिकस्त के बाद भी देश की जनता को जीत की झूठी कहानियां सुनाकर गुमराह कर रहे हैं।

नूरीन नियाजी के मुताबिक, जिस सैन्य अभियान को पाकिस्तान ने 'मारका-ए-हक'के नाम से शुरू किया था, वह भारतीय जवाबी कार्रवाई के बाद बेहद खौफनाक अंत की ओर बढ़ने लगा था। रावलपिंडी स्थित फौजी मुख्यालय में मची हड़बड़ी के बाद पाकिस्तानी नेतृत्व ने वैश्विक समुदाय से भारत के साथ युद्धविराम कराने की गुहार लगाई। इस दौरान अमेरिकी हस्तक्षेप और कुछ कड़ी शर्तों पर बात बनी। नियाजी का दावा है कि भारत के हमलों से बौखलाया पाकिस्तानी प्रशासन इजरायल को मान्यता देने और अब्राहम अकॉर्ड का हिस्सा बनने तक के लिए तैयार हो गया था। दूसरी ओर, भारत ने भी दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक शक्ति संतुलन और रणनीतिक लक्ष्यों को पूरा होते देख हमलों की तीव्रता को कम कर दिया। बाद में ईरान का मुद्दा गरमाने के कारण इजरायल को मान्यता देने का विषय टल गया, जिसे पाक प्रशासन अपनी जीत बताकर परोसने लगा।

ईरान में राष्ट्रपति और सरकार पर कट्टरपंथियों ने लगाए गंभीर आरोप

तेहरान। ईरान में अमेरिका और इजरायल के साथ जारी तनाव के बीच अब देश की आंतरिक राजनीति भी चर्चा का केंद्र बन गई है। हाल के दिनों में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और उनकी सरकार को लेकर कट्टरपंथी धड़ों की ओर से तीखे आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों में कहा जा रहा है कि राष्ट्रपति, विदेश मंत्री अब्बास अराघची और प्रमुख वार्ताकार मोहम्मद बागेर कालीबाफ मिलकर देश में बिना सैन्य हस्तक्षेप के सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और सरकार की ओर से भी इन्हें स्वीकार नहीं किया गया है।

पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया। कार्यक्रम में मौजूद भीड़ के एक हिस्से ने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के साथ बातचीत और समझौते की कोशिशों का विरोध करते हुए उन्हें निशाना बनाया। विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि उनके खिलाफ नारे लगाए गए और उन पर पथराव की घटना भी हुई, हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। कट्टरपंथी गुटों का असंतोष पिछले महीने अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक समझौते से जुड़ा बताया जा रहा है। उनका आरोप है कि इस समझौते के जरिए सरकार ने देश के क्रांतिकारी सिद्धांतों से समझौता किया है। साथ ही उनका कहना है कि सरकार संसद की भूमिका कमजोर कर रही है, नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों की अनदेखी कर रही है और उन जनसभाओं को सीमित करना चाहती है जिन्हें कट्टरपंथी धड़ा अपनी ताकत का प्रमुख आधार मानता है। इस विवाद के बीच कट्टरपंथी सांसद महमूद नबावियन ने सोशल मीडिया पर देश में संभावित सत्ता परिवर्तन की जनता से सतर्क रहने की अपील की।

बलूचिस्तानः आजाद रियासत से पाकिस्तान के प्रांत तक संघर्ष

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान, दक्षिण एशिया का एक ऐतिहासिक और खनिज संसाधनों से भरपूर क्षेत्र है, जो वर्तमान में पाकिस्तान, ईरान और अफगानिस्तान के बीच विभाजित है। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत क्षेत्रफल के हिसाब से देश का सबसे बड़ा प्रांत है, हालांकि इसकी आबादी थोड़ी कम है। इतिहासकारों के अनुसार, ब्रिटिश शासन के दौरान यहां कई रियासतें मौजूद थीं, जिनमें कलात रियासत सबसे प्रमुख थी।

11 अगस्त 1947 को, भारत और पाकिस्तान के औपचारिक गठन से ठीक पहले, कलात के खान ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी। इसके बाद कुछ महीनों तक कलात ने स्वयं को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में संचालित किया और पाकिस्तान के साथ अपने भविष्य को लेकर बातचीत जारी रखी। पाकिस्तान की स्थापना के बाद कलात और नवगठित पाकिस्तान के बीच कई दौर की वार्ताएं हुईं। पाकिस्तान चाहता था कि कलात उसके साथ विलय कर ले, जबकि कलात के शासक शुरुआत में अपनी स्वतंत्र स्थिति बनाए रखना चाहते थे। आखिरकार, 27 मार्च 1948 को, कलात के तत्कालीन खान, अहमद यार खान ने पाकिस्तान के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। पाकिस्तान का आधिकारिक पक्ष इस विलय को एक स्वैच्छिक और कानूनी प्रक्रिया मानता है, लेकिन कई बलूच राष्ट्रवादी नेताओं और कुछ इतिहासकारों का दावा है कि यह फैसला राजनीतिक और सैन्य दबाव में लिया गया था। इसी मूलभूत विवाद के कारण आज भी इस विषय पर अलग-अलग मत देखने को मिलते हैं, और यह बलूचिस्तान के मौजूदा संघर्षों की जड़ में है। विलय के तुरंत बाद ही इसका विरोध शुरू हो गया।

कलात के खान के भाई प्रिंस अब्दुल करीम ने इस विलय को अस्वीकार कर दिया और पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह छेड़ दिया। तब से लेकर आज तक, बलूचिस्तान में समय-समय पर कई अलगाववादी आंदोलन और सशस्त्र संघर्ष हुए हैं।

रंगसंसार

साई पल्लवी की नो किसिंग पॉलिसी

अभिनेत्री साई पल्लवी को हमेशा ही सादगी की मिसाल माना जाता है। अपनी सहजता और शानदार एक्टिंग से उन्होंने हमेशा ही सबका दिल जीता है। अब हाल ही में वह अपने पुराने बयान की वजह से फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि वह किसी भी फिल्म में ऐसे सीन करना पसंद नहीं करतीं, जिनमें किसिंग सीन हो, भले इसके लिए उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स से क्यों न हाथ धोना पड़े। उनके इस बेबाक बयान ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। साई पल्लवी का नाम उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में आता है जो इंडस्ट्री में अपनी शर्तों पर काम करना पसंद करती हैं। सादगी और सिद्धांतों की वजह से उन्होंने हर जगह से खूब सुर्खियां और तारीफें बटोरी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी किसी फिल्म के लिए किस करने को कहा गया है, तो साई पल्लवी ने जवाब दिया, हां। इसके बाद उन्होंने बताया कि ऐसे बहुत से फिल्म के ऑफर उन्हें आते हैं, लेकिन उन्हें पता है कि कैमरे के सामने वह कभी भी ऐसे सीन करना पसंद नहीं करतीं।

राख को दुनिया भर का प्यार

प्राइम वीडियो की चर्चित वेब सीरीज राख को दुनिया भर के दर्शकों का शानदार प्यार मिल रहा है और यह लगातार वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन-इंग्लिश सीरीज में शामिल है। इस अपार सफलता और दर्शकों के प्यार से अभिभूत अभिनेता अली फज़ल ने सोशल मीडिया पर अपने हाथ से लिखा एक भावुक नोट साझा किया। इस नोट में उन्होंने फिल्म और अपने निभाए गए किरदार एसआई जयप्रकाश जाटव को मिले अपार प्यार के लिए दर्शकों का दिल से आभार व्यक्त किया। अपने नोट में अली फज़ल ने लिखा कि दुनिया भर के दर्शकों के अनगिनत संदेश पढ़कर उनका दिल खुशी और कृतज्ञता से भर गया है। उन्होंने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने एसआई जयप्रकाश जाटव को उसकी सभी कमियों, खामोशियों, डर, मौजूदगी और कम शब्दों के बावजूद पूरे दिल से अपनाया है। अली फज़ल ने अपने नोट में एक अभिनेता और दर्शकों के बीच के खास रिश्ते पर भी बात की।

वीर हिरानी का एक्टिंग डेब्यू

पिछले साल अहान पांडे के डेब्यू ने फिल्म इंडस्ट्री में खूब सुर्खियां बटोरी थीं और उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों व समीक्षकों ने साल के यादगार डेब्यू में शामिल किया था। अब इस साल मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी ने अपनी पहली स्क्रीन अपीयरेंस से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वेब सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो से एक्टिंग की शुरुआत करने वाले वीर हिरानी ने अपने सहज और आत्मविश्वास से भरे अभिनय से यह साबित करने की कोशिश की है कि वह सिर्फ स्टार किड की पहचान तक सीमित नहीं रहना चाहते। उनके अभिनय में एक खास सादगी और नेचुरल एक्सप्रेशन नजर आते हैं, जो उनके किरदार को बेहद प्रभावशाली बनाते हैं। प्रीतम एंड पेड्रो में वीर हिरानी को अरशद वारसी और विक्रांत मैसी जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है। इसके बावजूद, उनकी स्क्रीन प्रेजेंस एक अलग छाप छोड़ती है। कई सीन्स में वह अपनी एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने में सफल रहते हैं और अपनी पहली ही सीरीज में अपनी क्षमता की झलक दिखाते हैं।

रामायणम्ज् टीम का अनोखा अभियान

नमित मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायणम् सिर्फ सिनेमाघरों तक सीमित नहीं रहने वाली है, बल्कि इसकी टीम ने एक अनोखी सांस्कृतिक पहल के तहत देशभर में मेगा स्कूल एक्टिवेशन कैंपेन शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लाखों स्कूली छात्रों को भारत के महान महाकाव्य रामायण की समृद्ध विरासत, उसके मूल्यों और प्रेरणादायक कहानियों से जोड़ना है। यह पहल देशभर के 18 शहरों में चलाई गई, जिसमें बेंगलुरु, दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख शहरों के 400 से अधिक स्कूलों के 5 लाख से ज्यादा छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अभियान के दौरान छात्रों को रामायण से परिचित कराने के लिए कई रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें ड्राइंग प्रतियोगिताएं, रचनात्मक अभिव्यक्ति सत्र, क्विज कॉम्पिटिशन और इंटरैक्टिव डिस्कशन शामिल थे, जिनका लक्ष्य बच्चों को मनोरंजक तरीके से रामायण की कथाओं और उससे जुड़े मूल्यों को समझाना था। इस विशेष पहल की थीम हमारा सत्य। हमारा इतिहास। रखी गई, जिसने छात्रों को अपने परिवार के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। मेकर्स का मानना है कि इस तरह की गतिविधियों से युवा पीढ़ी तक सांस्कृतिक विरासत को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है।

पैपाराजी के हद पार करने पर मौनी रॉय ने दिखाया रौद्र रूप

अभिनेत्री मौनी रॉय फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार उनका रौद्र रूप देखने को मिला। पैपाराजी की हद पार करने वाली हरकतों से बेहद नाराज मौनी रॉय के सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें वह बेहद गुस्से में नजर आ रही हैं। हाल ही में मौनी रॉय और अनुषा दांडेकर एक आउटिंग के बाद अपनी गाड़ी की तरफ लौट रही थीं। लौटते समय फोटोग्राफर्स ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। स्थिति उस वक्त बेकाबू हो गई जब पैप्स उनकी गाड़ी के दरवाजे तक आ गए और जबरदस्ती कैमरे कार के अंदर घुसाने लगे। इस दखलअंदाजी भरी हरकत पर नागिन फेम अभिनेत्री का गुस्सा फूट पड़ा। वीडियो में वह उंगली से इशारा करते हुए पैप्स को डांट लगाती दिख रही हैं, और स्पष्ट रूप से उन्हें कैमरे बंद करने के लिए कह रही हैं। उनकी नाराजगी के बावजूद जब पैप्स नहीं रुके, तो वह और भी झल्ला पड़ीं और जोर से कहा, बंद करो ये सब। यह घटना सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी में बढ़ती दखलअंदाजी के मुद्दे को एक बार फिर सामने लाई है।

आए दिन ऐसी तस्वीरें और वीडियो वायरल होते हैं जहाँ पैपाराजी बिना अनुमति के या अभिनेताओं के मना करने के बावजूद उनकी तस्वीरें लेने की कोशिश करते हैं। एक पब्लिक फिगर होने के बावजूद, हर व्यक्ति की अपनी एक निजी जगह और सम्मान होता है, जिसका उल्लंघन अक्सर हो जाता है। मौनी रॉय का गुस्से में किया गया यह रिएक्शन, कहीं न कहीं, इसी बढ़ती हुई सीमा लांघने की प्रवृत्ति के खिलाफ एक आवाज प्रतीत होता है। वह इस दौरान ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही थीं, और अनुषा दांडेकर भी उनके साथ थीं, जो इस पूरी घटना की साक्षी बनीं।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब मौनी रॉय अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही आधिकारिक तौर पर घोषणा की थी कि वह अपने पति और बिजनेसमैन सूरज नांबियार से अलग हो रही हैं। दोनों ने अपनी चार साल की शादी को खत्म करने का फैसला लिया है। मौनी और सूरज अक्सर अपने रोमांटिक पलों को लेकर चर्चा में रहते थे। दोनों को कभी वेकेशन पर साथ देखा जाता था तो कभी त्योहार साथ मनाते हुए। दोनों ने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 27 जनवरी 2022 को गोवा में शादी के बंधन में बंधने का फैसला लिया था। उनकी शादी मलयाली और बंगाली दोनों रीति-रिवाजों से हुई थी।

मणिपुर की भीड़ का सुरक्षा बल पर हमला

मणिपुर में भीड़ ने असम राइफल्स के शिविर पर हमला कर दिया। तीन वाहनों में आग लगा दी। भारी पथराव किया। सुरक्षा बलों ने बचने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, हवाई फायरिंग करते हुए अपनी जान बचाई। भारत सरकार भले विश्व गुरु बनने का दावा करती है। मणिपुर के मामले में वह सफल नहीं हो पाई है। यदि विश्व गुरु बनना है, तो मणिपुर में शांति बहाल करनी होगी। इस हमले में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

दैनिक पंचांग

20 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 201 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल
तिथि सप्तमी 04.03 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 19.10 बजे को समाप्त।
योग शिव 18.37 बजे को समाप्त।
करण गर 15.41 बजे तदनन्तर वणिज 04.03 बजे रात्र को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.11 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	07.31 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.43 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	11.54 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.08 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.24 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.30 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.16 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.49 बजे से
राहुकाल		मेष	23.19 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	00.59 बजे से
बजे तक		मिथुन	02.58 बजे से

चन्द्रायु 5.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 42'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872776
जूलियन दिन 2461241.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जिसमे उनका क्रोध स्पष्ट रूप से झलक रहा था।

नहीं बदलेगा पंजाब का कांग्रेस अध्यक्ष

पंजाब विधान सभा के चुनाव कुछ महीने में होने वाले हैं। जैसे ही चुनाव आते हैं। आम आदमी पार्टी और भाजपा का लक्ष्य कांग्रेस को तोड़ना होता है। परिसीमन बिल केंद्र सरकार को संसद में पास कराना है। इस बार भाजपा ने चरणजीत सिंह चन्नी को निशाने पर लिया है। राहुल गांधी समझ चुके हैं। जिसे जाना है,वह जाएगा,वह किसी को रोकेंगे नहीं। कांग्रेस अध्यक्ष को बदलेंगे नहीं। राहुल गांधी पार्टी के नेताओं से दबने वाले नहीं है।एक को मनोओ,दूसरा रूठ जाता है। कुछ करते नहीं और दूसरों को भी करने नहीं देते हैं। यह ब्लैक मेलिंग अब कांग्रेस में नहीं चलेगी।

एसआईआर की समय सीमा बढ़ी

केंद्रीय चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित तीन प्रदेशों की एसआईआर की समय सीमा को बढ़ा दिया है। 17 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। चुनाव आयोग पर लगातार दबाव बढ़ता चला जा रहा है। कर्नाटक में राज्य चुनाव आयोग के माध्यम से केंद्रीय चुनाव आयोग को जिम्मेदार बनाने का काम कर्नाटक सरकार ने किया है। इसकी सभी और चर्चा हो रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग की मनमानी अब शायद ही एसआईआर पर चल पाए।

सरकार मिलावट के पक्ष में?

यह कलयुग है, इसमें कोई भी चीज शुद्ध नहीं मिलती है। सब में कुछ ना कुछ मिलावट रहती है। मिलावट से निपटने के लिए सरकार ने अब मिलावट करके इस कलयुग को सार्थक कर दिया है। सरकार पेट्रोल में इथेनॉल मिलाकर बेच रही है। मिलावटी पेट्रोल जबरिया वाहन मालिकों को पेट्रोल पंप से बेचा जा रहा है। पेट्रोल पंप के मालिक भी बहती गंगा में हाथ धो रहे हैं। वाहन मालिक शुद्ध पेट्रोल मांग रहे हैं। सरकार कह रही अब तो मिलावटी पेट्रोल ही लेना पड़ेगा। ऐसे में जनता कर भी क्या सकती है। गोस्वामी तुलसीदास जी की चौपाई,समरथ को नहीं दोष गुसाई,इसके अलावा उसके पास कोई विकल्प जनता जनार्दन के पास नहीं है।

काजू थाईलैंड में कंसीव हुआ था, इसीलिए वहां के बच्चों जैसा दिखता है- भारती सिंह

हाल ही में मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह ने अपने बेटे यशवीर (काजू) को लेकर एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मजाकिया अंदाज में बताया कि उनका बेटा काजू थाईलैंड में कंसीव हुआ था, इसीलिए वह थोड़ा बैंकॉक के बच्चे जैसा दिखता है। इतना सुनते ही आसपास मौजूद सभी लोगों की हंसी छूट गई। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि भारती सिंह और उनके पति, राइटर हर्ष लिम्बाचिया अब दो प्यारे बच्चों के माता-पिता हैं। वे पहले से ही अपने बड़े बेटे गोला उर्फ लक्ष्य के माता-पिता हैं, जिसका जन्म अप्रैल 2022 में हुआ था। पिछले साल दिसंबर में, यह प्यारा कपल दूसरी बार माता-पिता बना, जब उनके छोटे बेटे यशवीर का जन्म हुआ। भारती अक्सर अपने बच्चों और पति हर्ष के साथ वीडियो और व्लॉग साझा करती रहती हैं, जो उनके प्रशंसकों के बीच खूब पसंद किए जाते हैं। उनके वीडियो में परिवार की मस्ती, प्यार और भारती का अनोखा सेंस ऑफ ह्यूमर साफ झलकता है।

कुछ दिन पहले, भारती और हर्ष ने अपने 7 महीने के बच्चे काजू की अन्नप्राशन सेरेमनी मनाई, जो भारतीय परंपरा में बच्चे को पहली बार ठोस आहार (सॉलिड फूड) खिलाने का एक शुभ अवसर होता है। अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में, भारती और हर्ष बच्चे काजू को अपनी गोद में लिए हुए दिखे, जबकि परिवार के सदस्य और मेहमान उसे खीर खिलाकर आशीर्वाद दे रहे थे। यह पल परिवार के लिए बेहद खास था और फैंस ने भी काजू को पहली बार खाना खाते देख खूब प्यार लुटाया। इस साल 3 जुलाई को, भारती सिंह ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ गोवा की एक यादगार ट्रेन यात्रा के साथ अपने जन्मदिन का जश्न मनाया था। भारती सिंह ने इस पूरी ट्रेन जर्नी का एक विस्तृत वीडियो (व्लॉग) शेयर किया था, जिसमें रेलवे स्टेशन से लेकर ट्रेन में चढ़ने तक की पूरी यात्रा को दिखाया गया था।

इस व्लॉग में उनके पति हर्ष लिम्बाचिया, उनके दोनों बच्चे, भारती की मां, उनकी बहनें और उनकी प्रोफेशनल टीम के अन्य सदस्य शामिल थे। वीडियो में ग्रुप को रेलवे प्लेटफॉर्म पर धैर्य के साथ अपनी ट्रेन का इंतजार करते हुए दिखाया गया, जिसके बाद वे ट्रेन के डिब्बों में अपनी-अपनी जगह पर बैठे और साथ में बड़े आराम से इस ट्रिप को एन्जॉय किया। व्लॉग की खास बातों में से एक परिवार का घर का बना खाना था, जिसे भारती सिंह ने खुशी-खुशी बताया कि ये घर से ही साथ लाए थे। भारती ने एक महत्वपूर्ण बात का भी खुलासा किया कि उन्होंने जान-बूझकर बच्चों को रेलवे के रोमांच और मजे का अनुभव कराने के लिए फ्लाइट के बजाय ट्रेन को चुना था। यह कदम उनके बच्चों के प्रति उनके प्यार और उन्हें नए अनुभव देने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

घटते भरोसे के बीच

बहुत दिनों बाद दिल्ली आना हुआ पिछले सप्ताह। सीधे जंतर-मंतर गई। दोपहर का समय था और धूप इतनी तेज कि बिना सिर ढके खड़ा होना मुश्किल था। गाड़ी को थोड़ी दूर खड़ी कर-के मैं पैदल चली। दोनों तरफ गाड़ियां लगी हुई थीं और प्रदर्शनकारियों को देखने से पहले दिखे पुलिसवाले इतने सारे कि जैसे जमा होते हैं तब, जब गड़बड़ी होने की आशंका रहती है। मेटल डिटेक्टर से जब गुजरी, तो देखा कि सड़क के दोनों तरफ प्लास्टिक की बोतलें और अलग किस्म का कूड़ा पड़ा हुआ था। थोड़ा आगे गई, तो देखा कि वामपंथी दलों के विद्यार्थी संगठनों के कार्यकर्ता बैठे हुए थे।

थोड़ा और आगे गई, तो देखा कि मंच के सामने एक आदमी भाषण दे रहा था उस किस्म का जैसे मामूली कार्यकर्ता देते हैं नेताओं के मंच पर आने से पहले। मंच पर काकरोच जनता पार्टी के कुछ नेता बैठे हुए थे, लेकिन अभिजीत दिपके नहीं दिखे। यह सोच ही रही थी कि मेरे साथ खड़े हुए एक आदमी ने कहा कि 'ये आ रहे हैं'। 'ये' दिपके थे जो अति-विनम्रता से सब लोगों के हाथ पकड़ कर आगे बढ़ रहे थे, जैसे उनको धन्यवाद कहना चाह रहे हों। मुझ तक पहुंचे, तो मैंने नमस्ते करना चाहा, लेकिन उन्होंने हाथ मिलाया। उनके चेहरे पर हल्की-सी मुस्कुराहट थी और थोड़ा आश्चर्य, तो मैंने उनको कहा कि मैं एक पत्रकार हूं। दिपके आगे बढ़े, तो मेरे बगल में खड़े एक आदमी ने कहा, 'मुझे मालूम था कि आप पत्रकार हैं।'

यह आदमी कोई चालीस साल का था। मैंने उससे पूछा कि वह कहां से आया है और किस वास्ते, तो उसका जवाब यह था, 'मैं नोएडा में रहता हूं और जबसे यह प्रदर्शन शुरू हुआ है, मैं यहां रोज आता हूं समर्थन जताने। ये लोग अच्छा कर रहे हैं देश के लिए।' इतने में मुझे दो-तीन नौजवान दिखे, जिन्होंने बताया कि वे आजमगढ़ से आए हैं समर्थन जताने इसलिए कि उनके कुछ दोस्त हैं जो पर्चा लीक होने के शिकार रहे हैं। आसपास कोई इतनी भीड़ नहीं थी, लेकिन जो लो भूल सुधार ी मर्जी से आए थे किसी राजनीतिक दल के कहने पर नहीं आए थे।

> जब जनता के चुने हुए जनसेवक बहरे हो जाते हैं, तो उन तक अपनी आवाज पहुंचाना मुश्किल होता है। काकरोच जनता पार्टी पैदा हुई है अपनी आवाज बुलंद करने के लिए, ताकि कभी न कभी प्रधानमंत्री के दफ्तर संदेश पहुंचे कि शिक्षा क्षेत्र में जो खराबी आई है उसकी जवाबदेही शिक्षा मंत्री की है। कुछ और नहीं कर सकते हैं, तो कम से कम इस्तीफा तो दे सकते हैं।

यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि मैं सोनम वांगचुक की इज्जत करती हूं और उनको राष्ट्रविरोधी बिल्कुल नहीं मानती हूं, लेकिन उनके आमरण अनशन से सहमत नहीं हूं। इस किस्म के सत्याग्रह मुझे पसंद नहीं हैं। मैं मानती हूं कि ऐसे आमरण अनशन से सरकार पर दबाव डालना गलत है और बेमतलब भी। मगर जिस वजह से काकरोच जनता पार्टी बनी है, उसका मैं दिल से समर्थन करती हूं। जब जनता के चुने हुए जनसेवक बहरे हो जाते हैं, तो उन तक अपनी आवाज को पहुंचाना मुश्किल होता है। काकरोच जनता पार्टी पैदा हुई है अपनी आवाज बुलंद करने के लिए, ताकि कभी न कभी प्रधानमंत्री के दफ्तर तक संदेश पहुंचे कि शिक्षा क्षेत्र में जो खराबी आई है, उसकी जवाबदेही शिक्षा मंत्री की है। कुछ और नहीं कर सकते हैं, तो कम से कम इस्तीफा तो दे सकते हैं।

संयोग से पिछले सप्ताह यही बात एक मोदी भक्त से कहने का मुझे अवसर मिला। यह व्यक्ति न पत्रकार है न राजनीतिक, लेकिन दिल्ली के ऊंचे गलियारों में घूमता है, इसलिए जानता है अच्छी तरह कि उनमें चर्चा क्या हो रही है। मैंने जब धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही का उससे जिक्र किया, तो उसने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री का पक्का इरादा था अपने चहेते मंत्री को बर्खास्त करने का, लेकिन जब काकरोच जनता पार्टी ने अपना प्रदर्शन शुरू किया, तो इस काम को उन्हें रोकना पड़ा इसलिए कि भारत के प्रधानमंत्री को कभी दबाव पड़ने की वजह से फैसले नहीं लेने चाहिए। इस व्यक्ति ने मुझे कहा कि इस नई पार्टी के तमाम नेता आम आदमी पार्टी से निकल कर आए हैं और अरविंद केजरीवाल का आशीर्वाद लेकर अपना काम कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के कई नेता दिखे भी हैं मंच पर, इसलिए इसमें कोई शक नहीं है कि 'आप' से प्रेरणा लेकर प्रदर्शनकारी आगे बढ़ रहे हैं। यह बात उनके खिलाफ रही है अभी से। केजरीवाल की छवि इतनी बिगड़ी हुई है कि जब भी किसी को लगता है कि उनके कहने पर कुछ हो रहा है, तो लोग फौरन अपना समर्थन वापस ले लेते हैं।

केजरीवाल को पहली बार मैंने देखा था अस्सी घाट पर। बटवृक्ष के नीचे बैठे हुए 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान। ये वे दिन थे, जब उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देकर नरेंद्र मोदी को चुनौती देने का गलत निर्णय लिया था। मुझे उस वक्त से लगा था कि आम आदमी के चोले के नीचे यह एक ऐसा व्यक्ति है जो अपने आपको इतना खास समझता है कि मुख्यमंत्री बनते ही प्रधानमंत्री बन जाने के सपने देखने लग गया है।

काकरोच जनता पार्टी अगर बनना चाहती है देश के नौजवानों की आवाज, तो उसको विनम्रता से मेरा सुझाव यह है कि केजरीवाल से दूर रहें और वामपंथी राजनेताओं तथा राजनीतिक दलों से भी। ये ऐसे लोग हैं जिनकी आवाज फीकी पड़ चुकी है। आम लोग जान गए हैं कि ये लोग बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं, लेकिन जमीन पर उनका काम इतना बेकार साबित हुआ है कि आम लोगों का इनमें अब कोई विश्वास नहीं रहा। नौजवानों को नए नेता ढूंढने होंगे अगर वास्तव में वह देश में बदलाव लाना चाहते हैं। समस्या सिर्फ शिक्षा क्षेत्र में नहीं है हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार इतना फैला हुआ है आज कि मोदी सरकार में भी भरोसा कम होने लग गया है। असली परिवर्तन के लिए नए लोग चाहिए। नई सोच चाहिए।

जड़ता का दंश

तकनीक के विकास के साथ-साथ मानवीय मूल्य और संवेदनाएं कमजोर होती जा रही हैं। इससे सामाजिक संबंधों के समक्ष विश्वास का संकट पैदा हो गया है। मानवीय मूल्य वे मूलभूत नैतिक मानक एवं सिद्धांत होते हैं, जो हमारे आचरण को दिशा देते हैं, जबकि संवेदनाएं दूसरों के सुख-दुख को महसूस करने की क्षमता हैं। ये दोनों मिलकर व्यक्ति को सामाजिक रूप से जिम्मेदार इंसान बनाते हैं। मगर जब मनुष्य की सोच से ये दोनों तत्त्व गायब हो जाएं, तो सभ्य समाज का आधार भी निर्बल हो जाता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और यौन दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाएं भी इसी का नतीजा है। घरेलू हिंसा को तो समाज में कई बार सामान्य घटना के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि सख्त कानून होने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

कई बार यौन दुर्व्यवहार के मामलों में दोषी को न्याय के कठघरे में लाने के बजाय समाज पीड़िता के पहनावे, रहन-सहन या आचरण को दोषी ठहराने लगता है। इससे ऐसा लगता है कि पितृसत्तात्मक समाज अपराधी को बचाने और महिलाओं को प्रताड़ित करने का समर्थन कर रहा है। स्त्रीवादी कैथरीन मैककिनन का मानना है कि बलात्कार पुरुष शक्ति और प्रभुत्व का एक चरम रूप है। इसके जरिए महिलाओं को डराकर और नियंत्रित करके रखा जाता है। हाल की कुछ घटनाओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि अपराधियों की मानसिकता किस हद तक विकृत होती जा रही है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक बच्ची का अपहरण कर पांच दिन तक बत्तीस लोगों ने उससे बलात्कार किया। पश्चिम बंगाल के बुरुईपुरा में एक बच्ची से सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक लड़की और हरदोई में एक बच्ची से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। सवाल है कि क्या इन बच्चियों के साथ हुई यौन हिंसा के लिए भी उनके कपड़ों, व्यवहार और चाल-चलन को दोषी ठहराया जाएगा?

यह सच है कि पहले की तुलना में महिलाओं को अब अनेक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन इन सबके बावजूद उन्हें अपने अस्तित्व और अस्मिता की सुरक्षा का अधिकार अभी तक नहीं मिल पाया है। आए दिन सड़कों, ट्रेनों, बसों, घरों, खेतों और दफ्तरों में लड़कियों एवं महिलाओं को वह सब झेलना पड़ता है, जो अनैतिक और गैर-कानूनी है। फिर भी यह सब खुलेआम हो रहा है, जैसे उसे सामाजिक वैधता प्राप्त हो। सरकार की ओर से नए कानून बनाए जाते हैं या पहले से बने कानूनों में संशोधन किया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि इन्हें सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? जांच प्रक्रिया इतनी धीमी और लापरवाही भरी होती है कि कई मामलों में पीड़िता को न्याय मिल ही नहीं पाता है और अगर कहीं न्याय मिलता भी है, तो उसके लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित कार्यशालाओं और बौद्धिक चर्चाओं में कई तरह की सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती रही हैं। जैसे- गाड़ी में बैठने से पहले पिछली सीट पर देख लें, मोबाइल फोन में हेल्पलाइन नंबर रखें, रात में बाहर न निकलें, सोते समय सभी खिड़कियां बंद कर लें, अनजान लोगों से खाने-पीने की कोई वस्तु न लें, मिर्च स्प्रे साथ रखें, काम से घर जाते समय अपना रास्ता बदलते रहें और कोई संदेह होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सवाल है कि ये सावधानियां बच्चों और किशोरियों को कैसे सिखाई जाएं। और क्या संभावित समस्याओं का हल केवल यही है कि लड़कियों एवं महिलाओं को ही सावधान रहना होगा। क्या वास्तव में इन सब सावधानियों से यौन हिंसा की घटनाएं रुक जाएंगी?

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि किसी भी देश की स्थिति वहां की महिलाओं की स्थिति को देखकर ज्ञात की जा सकती है। यदि इस तर्क को सही माना जाए, तो फिर इस दावे के क्या मायने रह जाते हैं कि भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की पंक्ति में खड़ा है। जिस देश की आधी आबादी को यौन शोषण, घरेलू हिंसा, तेजाब हमले और दहेज के लिए हत्या जैसी अमानवीय घटनाओं का दंश झेलना पड़ रहा हो, उस देश की स्थिति क्या होगी, यह बताने की जरूरत नहीं है। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाने या महिला सशक्तीकरण का उद्घोष करने से ही अगर उनकी स्थिति में बदलाव लाया जा सकता, तो अब तक यह सब हो चुका होता।

> अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाने या महिला सशक्तीकरण का उद्घोष करने से ही अगर उनकी स्थिति में बदलाव लाया जा सकता, तो अब तक यह सब हो चुका होता। जरूरत है समाज में महिलाओं की ताकत का आकलन करने के नजरिए को बदलने की। अगर पुरुष समाज महिलाओं के प्रति अपने नजरिए को बदल ले, तो समस्या अपने आप समाप्त हो जाएगी।

दरअसल, सवाल यहां महिला सशक्तीकरण का है ही नहीं, उन्हें मजबूत या सशक्त बनाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे पहले से ही मजबूत हैं। जरूरत है समाज में महिलाओं की ताकत का आकलन करने के नजरिए को बदलने की। अगर पुरुष समाज महिलाओं के प्रति अपने नजरिए को बदल ले, तो समस्या अपने आप समाप्त हो जाएगी।

सवाल है कि क्या बलात्कार को सामूहिक आतंकवाद की संज्ञा दी जा सकती है? आतंकवाद में भी भय उत्पन्न करके दूसरों के व्यवहार पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जाता है और बलात्कार में भी महिलाओं के व्यवहार को नियंत्रित कर उन पर अपना आधिपत्य स्थापित करने की कोशिश की जाती है। पहले के समय में बलात्कार की अधिकतर घटनाओं के लिए अपरिचित या अजनबी दोषी होता था, लेकिन अब परिवार, दोस्त और रिश्तेदारी के दायरे में भी महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार हो रही हैं। असल में महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा तभी मिलेगा, जब उन्हें पुरुषों के समान सारे अधिकार मिलेंगे। लैंगिक समानता आधारित समाज वह होता है, जहां हर कोई जैसा है, वैसा रह सके। इसलिए जरूरत इस बात की है कि देश की न्यायिक और सामाजिक व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव किया जाए तथा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जाएं।

जो रूट बोल खेलते हुए ही सीखना होगा युवा खिलाड़ियों को

कार्डिफ। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट का मानना है कि देश के अगली पीढ़ी के युवा क्रिकेटरों को 50 ओवरों के क्रिकेट का अधिक अनुभव नहीं मिलने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए ही सीखना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुभव की कमी के कारण दबाव के हालात के अनुकूल ढलना बेहद अहम हो जाता है। रूट ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण से पहले घरेलू 50 ओवरों की नियमित प्रतिस्पर्धाओं के जरिये उस तरह का अनुभव नहीं मिल पा रहा है जो पहले खिलाड़ियों को मिलता था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टीम और युवा खिलाड़ियों के लिये यह सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

कोच लक्ष्मण के साथ जिम्बाब्वे दौरे पर पहुंची टीम इंडिया

हरारे। भारतीय टीम तीन मैचों की टी20 क्रिकेट सीरीज के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर पहुंच गयी है। इसी सीरीज में मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं गये हैं। ऐसे में पूर्व क्रिकेटर वी वी एस लक्ष्मण कोच के तौर पर टीम के साथ गये हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया में खिलाड़ियों की तस्वीरें भी साझा की हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। उस सीरीज में टीम इंडिया को 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था, जिससे टीम का मनोबल कम हुआ है। ऐसे में उसे इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ कड़ी टक्कर मिलना तय है।

भारतीय टीम आज लॉर्ड्स में जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी

लॉर्ड्स। भारतीय क्रिकेट टीम आज यहां लॉर्ड्स में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में उतरेगी। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज जीतने का प्रयास करेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज अपने नाम करना चाहेंगी। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली का लक्ष्य भी इस सीरीज में शतक लगाना रहेगा जिससे कि वह इस मैदान पर एकदिवसीय में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे।

गोल्डन बूट के लिए मेसी को चाहिये 3 गोल

न्यूजर्सी । फीफा विश्व कप फुटबॉल में सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में फ्रांस के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी में बीच मुकाबला है। एम्बाप्पे के नाम अभी 10 गोल हैं जबकि मेसी के नाम 8 गोल हैं। ऐसे में मेसी को एम्बाप्पे से आगे निकलने के लिए 3 गोलों की जरुरत है।

भारतीय महिला क्रिकेट में नई जान फूंकने वाली स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता में लगातार वृद्धि हो रही है, और इसका एक बड़ा श्रेय बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज तथा उपकप्तान स्मृति मंधाना को जाता है। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दर्शकों के बीच इस खेल को बेहद लोकप्रिय बनाया है। मैदान पर मंधाना के नारे उनकी सफलता का प्रमाण हैं, और लोकप्रियता के मामले में वह देश के शीर्ष पुरुष क्रिकेटरों को भी टक्कर देती हैं। 18 जुलाई 1996 को मुंबई में जन्मीं मंधाना का क्रिकेट से गहरा पारिवारिक संबंध रहा है; उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेटर रहे हैं, जिसने उन्हें इसी राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी वही शैली अपनाई। कम उम्र से ही मंधाना की प्रतिभा स्पष्ट थी। 9 साल की उम्र में महाराष्ट्र अंडर-15 टीम में जगह बनाने के बाद, 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम में शामिल हो गईं। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर, उन्होंने 5 अप्रैल 2013 को बांग्लादेश के खिलाफ अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। इसके बाद से, वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों में सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक बनी हुई हैं, और अक्सर टीम की सबसे बड़ी मैच विजेता साबित हुई हैं। उन्होंने 2014 में टेस्ट, 2013 में वनडे और 2013 में टी20 में डेब्यू किया। अपने 13 साल के करियर में, मंधाना ने प्रभावशाली आंकड़े दर्ज किए हैं। उन्होंने टेस्ट में 788 रन (2 शतक), वनडे में 5,411 रन (14 शतक), और टी20 में 4,538 रन (1 शतक) बनाए हैं। भारतीय महिला क्रिकेट की पोस्टर गर्ल के रूप में पहचानी जाने वाली मंधाना ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी के बाद दो बार आईसीसी विमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली दूसरी क्रिकेटर हैं। वनडे फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे तेज शतक (50 गेंदों पर) लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम है, और मिताली राज के बाद वह भारत की दूसरी सबसे सफल वनडे बल्लेबाज हैं। वह तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बल्लेबाज हैं और वनडे में सर्वाधिक शतकों के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इसके अतिरिक्त, मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं और एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सर्वाधिक शतक (4) का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। 30 वर्षीय मंधाना के पास अभी भी कम से कम 5-6 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर बाकी है, और उन्हें हरमनप्रीत कौर के बाद भारतीय महिला टीम की कमान संभालने की प्रबल दावेदार माना जा रहा है। महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दो खिताब दिलाकर उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता भी साबित की है।

सिंधु ने यामागुची को हराकर जापान ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

टोक्यो। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने मेजबान देश की खिलाड़ी अकाने यामागुची को हराकर जापान ओपन बैडमिंटन खिताब जीत लिया है। सिंधु ने महिला एकल के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए यामागुची को सीधे गेम में 21-17, 21-17 से हराया। इसी के साथ ही सिंधु ये खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गयी हैं। इस जीत के साथ ही सिंधु ने 19 महीने के बाद एक बार फिर खिताबी जीत हासिल कर दिखा दिया है कि अभी उनकी लय बनी हुई है।

इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी थी, जिसके बाद से किसी भी बड़े टूर्नामेंट में उन्हें जीत नहीं मिली। जापान ओपन की यह ट्रॉफी 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद उनकी सबसे बड़ी खिताबी जीत मानी जा रही है। सिंधु ने मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले गेम में उन्होंने यामागुची को 21-17 से हराया। दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी स्मैश और कोर्ट कवरेज का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए यामागुची को बैकफुट पर धकेल दिया। सिंधु ने 21-17 से दूसरा गेम भी जीतने के साथ ही खिताब अपने नाम किया। ये सिंधु और अकाने यामागुची के बीच 30वां मुकाबला था। इस मुकाबले से पहले हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में यामागुची का पलड़ा भारी था पर इस शानदार जीत के साथ सिंधु ने अपने आंकड़े को और बेहतर किया है। यह यामागुची के खिलाफ सिंधु की 14वीं जीत थी, जबकि यामागुची ने उनके खिलाफ 16 मैच जीते हैं। इस जीत ने दोनों खिलाड़ियों के बीच की प्रतिद्वंद्विता को और रोमांचक बना दिया है। फाइनल में पहुंचने से पहले, सिंधु ने सेमीफाइनल में चीनी खिलाड़ी चेन युफेई को हराया था।

जापान ओपन में मिली यह ऐतिहासिक सफलता न केवल पीवी सिंधु के व्यक्तिगत करियर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह भारतीय बैडमिंटन के लिए भी एक गर्व का क्षण है।

फीफा विश्व कप फुटबॉल - इंग्लैंड ने फ्रांस को 6-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया

मियामी। इंग्लैंड ने यहां हुए फीफा विश्व कप फुटबॉल में तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में फ्रांस को 6-4 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। ये मुकाबला बेहद रोमांच रहा और दोनों ही टीमों ने एकदूसरे पर जमकर हमले किये। इस मैच में इंग्लैंड की ओर से बुकायो साका ने लगातार तीन गोल हैट्रिक) कर सभी को हैरान कर दिया। वहीं फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे भी दो गोल कर सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट अवार्ड की दौर में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है।

एम्बाप्पे के अब 10 गोल हो गये हैं। वहीं अर्जेंटीनर के कप्तान लियोनल मेसी के नाम 8 गोल हैं और वह दूसरे स्थान पर है। मेसी को अगर खिताब जीतना है तो उन्हें खिताबी मुकाबले में 3 गोल दागने होंगे।

इंग्लैंड की टीम इस मैच की शुरुआत से ही हावी हो गयी। उसने पहले ही हाफ में बुकायो साका की हैट्रिक से 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। बुकायो साका ने 37वें मिनट में और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में दो महत्वपूर्ण गोल कर फ्रांस को दबाव में ला दिया। उनके अलावा डेक्लन राइस और एबरी कोंसा ने भी पहले हाफ में गोल करने के साथ ही इंग्लैंड की बढ़त को और मजबूत कर दिया। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत से ही इंग्लैंड की टीम हावी रही और उसने अपनी आक्रामक रणनीति जारी रखी। जूड बेलिंगम ने आठवें मिनट में ही गोल करने के साथ ही स्कोर को 5-0 कर दिया, ये बेलिंगम का टूर्नामेंट में सातवां गोल था।

खिताबी मुकाबले में जीत की भविष्यवाणी करना बेहद कठिन :बिग बी

वही टीम जीतेगी जिसके कोच की रणनीति बेहतर होगी

मुम्बई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी फीफा विश्वकप फुटबॉल के खुमार से बच नहीं पाये हैं। बिग बी ने कहा कि सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद सभी खिलाड़ी अपने आप में सुपरस्टार होते हैं और उनकी व्यक्तिगत क्षमता अतुलनीय होती है। इसलिए वही टीम जीतेगी जिसके कोच की रणनीति और गेम प्लान में अधिक दम और स्पष्टता होगी। फाइनल सिर्फ खिलाड़ियों का नहीं, बल्कि रणनीतिकारों का भी सीधा मुकाबला है।

बच्चन ने लिखा है कि जब कोई चैंपियनशिप अपने बिल्कुल अंतिम पड़ाव पर पहुंच जाती है और मुकाबला करने के लिए सिर्फ चार सर्वश्रेष्ठ टीमें शेष रह जाती हैं, तो यह भविष्यवाणी करना अत्यंत कठिन हो जाता है कि जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा। अक्सर लोग अपनी पसंदीदा टीम के प्रति अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव और प्यार को देखकर ही जीत की भविष्यवाणी कर बैठते हैं। हालांकि, सच्चाई यह है कि इस स्टेज पर हम जिन चुनिंदा 44 खिलाड़ियों की बात कर रहे होते हैं, वे सभी अपने-अपने क्षेत्र के माहिर खिलाड़ी और सुपरस्टार होते हैं। एक व्यक्तिगत प्लेयर के तौर पर उनकी काबिलियत या हैसियत को किसी भी सूरत में कम करके नहीं आंका जा सकता। वे सभी विश्व स्तरीय प्रदर्शन के आदी होते हैं।

बिग बी का तर्क है कि ऐसे में असली जरूरत इस बात की होती है कि इन असाधारण स्टार खिलाड़ियों को मैदान पर किस प्रकार प्रबंधित और निर्देशित किया जाता है। यहीं पर एक कोच या मैनेजर का वास्तविक और निर्णायक रोल शुरू होता है। इसी वजह से फाइनल मुकाबला असल मायने में स्पेनिश कोच और अर्जेंटीना के कोच के बीच की रणनीतिक लड़ाई होगी। उनकी क्या योजनाएं हैं, वे मैच के लिए क्या रणनीति बनाते हैं, और खिलाड़ी उन योजनाओं को मैदान पर कितनी सटीकता और प्रभावशीलता से लागू करते हैं, यही तत्व अंततः जीत-हार का फैसला करेंगे। एक कोच की बनाई योजनाएं मैदान पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती हैं, और दूसरा कोच उन्हें समझकर अपनी प्रभावी पलटवार योजना (काउंटर प्लान) तैयार करता है, जिससे खेल में लगातार उतार-चढ़ाव बना रहता है और दर्शक पल-पल रोमांच का अनुभव करते हैं। अमिताभ ने इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के एक महत्वपूर्ण मैच का जिक्र करते हुए उनके कोच के एक बेहद साहसी और निडर फैसले की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि उस मैच के आखिरी तीन मिनट में जब खेल बिल्कुल फंसा हुआ था और ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तब अर्जेंटीना के कोच ने स्थिति को संभालने या ड्रॉ बचाने के लिए किसी डिफेंडर को मैदान पर भेजने के बजाय, एक अतिरिक्त स्ट्राइकर को उतारने का जोखिम भरा निर्णय लिया। यह एक बहुत ही रिस्की, लेकिन साथ ही अत्यंत निडर गेम मैनेजमेंट का उत्कृष्ट उदाहरण था।

आईसीसी ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन नियमों में किए बड़े बदलाव

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की है, जो पहले 2021 में अनुमोदित संरचना को बदल देगा। इन नए नियमों के तहत, क्वालीफायर जीतने वाली टीम को अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के मुख्य ग्रुप चरण में सीधे एंट्री मिलेगी, और आईसीसी के बदले हुए मॉडल के तहत उसे शुरुआती सुपर सीरीज राउंड से नहीं गुजरना पड़ेगा।

बदले हुए प्रारूप में मुख्य टूर्नामेंट की टीमें 14 से घटाकर 12 कर दी गई हैं, जिसमें दो ग्रुप होंगे और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल से पहले सुपर सेवन स्टेज होगा, जबकि पहले दो-ग्रुप और सुपर सिक्स फॉर्मेट था। इस बड़े बदलाव से विश्व कप क्वालीफायर से शीर्ष चार टीमों के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बदल गया है। नए मॉडल के तहत, सितंबर 2026 के आखिर में एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें, सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के साथ, विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लेंगी।

हालांकि, तीसरे सह-मेजबान नामीबिया को स्वचालित क्वालिफिकेशन नहीं मिलेगा और उसे क्वालिफाइंग पाथवे से अपनी जगह बनानी होगी। क्वालीफायर जीतने वाली टीम को विश्व कप के मुख्य चरण में 11वीं सीधी एंट्री मिलेगी। दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों को दो मैचों की सुपर सीरीज खेलनी होगी, जिसमें केवल जीतने वाली टीम ही आगे बढ़ेगी, जबकि बाकी टीमें सिर्फ दो मैच खेलकर बाहर हो जाएंगी।2027 के एकदिवसीय विश्व कप में पहली बार होने वाले सुपर सेवन स्टेज में, छह-छह टीमों के दो ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष तीन टीमें होंगी, साथ ही दोनों ग्रुप में अगली सबसे अच्छी रैंक वाली टीम भी शामिल होगी। यह सात टीमें एक ही राउंड-रॉबिन में खेलेंगी, जिसमें कुल 21 मैच होंगे, और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नॉकआउट स्टेज में पहले नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला चौथे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा और दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा।

नाइट राइडर्स ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में वॉशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर एमएलसी खिताब जीता

न्यूयार्क। नाइट राइडर्स ने यहां खेले गये मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के रोमांचक फाइनल में वाशिंगटन फ्रीडम को अंतिम गेंद पर एक रन से हराकर खिताब जीता है। इस मुकाबले में सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर और अंतिम ओवर में शैडली वैन शल्कविक की घातक गेंदबाजी से नाइट राइडर्स को जीत मिली।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रनों पर ही सिमट गयी। उसकी ओर से कॉलिन मुनरो ने 40 रन और आंद्रे फ्लेचर ने 47 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे जिससे टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने घातक गेंदबाजी करते हुए सबसे अधिक 3 विकेट लिए। उनके अलावा, निखिल चौधरी और रचिन रविंद्र ने भी दो-दो विकेट लिए।

इसके बाद जीत के लिए मिले 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सुनील नरेन की घातक स्पिन गेंदबाजी के सामने वह टिक नहीं पायी। नरेन ने 13 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिससे नाइट राइडर्स ने विरोधी टीम पर दबाव बना दिया। इसके बाद एंड्रिस गौस ने 40 रन और ओबस पीनार ने 53 रन बनाकर वाशिंगटन की उम्मीदों को बनाये रखा पर कप्तान जेसन होल्डर ने बीच के ओवरों में 31 रन देकर 3 विकेट लिए और वाशिंगटन पर दबाव बनाये रखा।

वहीं अंतिम ओवर में वाशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 14 रन चाहिए थे। नाइट राइडर्स के लिए शैडली वैन शल्कविक अंतिम ओवर करने आए। ओवर की पहली ही गेंद पर ओबस पीनार ने शानदार छक्का लगाकर वाशिंगटन को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया। शल्कविक ने अगली ही गेंद पर पीनार को बोल्ड कर दिया। इसके बाद तीसरी गेंद पर उन्होंने इयान हॉलैंड को भी जेसन होल्डर के हाथों कैच आउट कराकर मैच में अपनी

टीम की वापसी करा दी। ऐसे में अंतिम तीन गेंदों पर वाशिंगटन को 8 रनों की जरूरत थी। गेंद पर लॉकी फर्ग्युसन ने चौका जड़कर एक बार फिर नाइट राइडर्स को झटका दिया। अब दो गेंदों पर 4 रन की दरकार थी। पांचवीं गेंद पर फर्ग्युसन ने एक रन लेकर ऐसे में अब वाशिंगटन को अंतिम गेंद में जीत के लिए 3 रन या सुपर ओवर के लिए 2 रन चाहिए थे। शल्कविक की अंतिम गेंद पर ग्लाडिक मिलंथा ने अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन वह रन आउट हो गए।

रोहित की जगह अब यशस्वी को अवसर देना चाहता है टीम प्रबंधन

मुम्बई। पिछले कुछ दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर अटकलें जारी है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के साथ ही रोहित का एकदिवसीय करियर भी समाप्त हो जाएगा। वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ किया है कि ऐसा कुछ नहीं है। सैकिया ने एक बयान में कहा, 'रोहित भारतीय एकदिवसीय टीम का नियमित सदस्य है और जब तक टीम की योजनाओं का हिस्सा है, देश के लिए खेलता रहेगा।'

वहीं सैकिया के इस बयान के बीच ही एक और रिपोर्ट भी आई है। इसमें कहा गया है कि टीम प्रबंधन और चयनकर्ता रोहित को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के बाद ही टीम से बाहर करने जा रहे थे। इस रिपोर्ट के अनुसार, 'चयन समिति ने यह तय कर था कि इंग्लैंड सीरीज के बाद रोहित पारी की शुरुआत के लिए पहली पसंद नहीं रहेंगे। ये जानकारी बोर्ड को भी दी गयी है। टीम प्रबंधन भविष्य की योजनाओं के तहत अब युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अवसर देना चाहता है। प्रबंधन शुरुआत से ही यशस्वी को इंग्लैंड में सभी एकदिवसीय मैचों में उतारना चाहता था। जिससे कि उन्हें 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों के लिए पर्याप्त अनुभव मिल सके पर रोहित को अवसर देने के कारण ऐसा नहीं किया जा सका। ये भी कहा जा रहा है रोहित के कमजोर प्रदर्शन पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि टीम प्रबंधन उनके बदले हुए बल्लेबाजी रवैये से भी खुश नहीं है। पहले जहां रोहित तेज शुरुआत के लिए जाने जाते थे, वहीं अब वह काफी सतर्क और धीमी बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि रोहित को लय हासिल करने में किसी भी सीरीज के शुरुआती दो-तीन मैच लग जाते हैं, जबकि बोर्ड अब भविष्य की टीम तैयार करने की दिशा में तेजी से आगे ब?ना चाहता है।

इंग्लैंड दौरे पर निकी प्रसाद ने सीखा बहुत कुछ

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2025 का खिताब दिलाने वाली कप्तान निकी प्रसाद ने इंडिया ए महिला टीम के साथ अपने इंग्लैंड दौरे को सीखने का एक बेहतरीन अनुभव बताया है। हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं प्रसाद ने एक खास बातचीत में कहा कि यह उनका पहला इंडिया ए और पहला इंग्लैंड दौरा था।

टीम का माहौल शानदार था और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने का भरपूर अवसर मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। एक जीतने वाली टीम का हिस्सा होना उनके लिए बेहद सकारात्मक अनुभव रहा। प्रसाद ने इंग्लैंड की परिस्थितियों को भारत से काफी अलग बताया, जहां के विकेट और विपक्षी टीमें, विशेषकर लंबे तेज गेंदबाजों, चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने महसूस किया कि अपने बैकफुट खेल में, खासकर बाउंसर गेंदों को पुल और कट करने में, सुधार की आवश्यकता है। शॉर्ट बॉल के साथ संतुलन बनाना उन्होंने जल्द सीखा। कोचों ने उन्हें गेंद की उछाल का सही अनुमान लगाने और ओवरहिट न करने की सलाह दी। गेंदबाजी में भी, उन्हें यह सीखने को मिला कि गेंद को ऊपर पिच करके बल्लेबाजों को ड्राइव करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि वे स्वीप जैसे शॉट न खेलें। इंडिया ए के अनुभव ने निकी को सीनियर टीम के स्तर को समझने में मदद की।

रोहित को आगामी एकदिवसीय विश्वकप तक खेलते देखना चाहते हैं कोच दिनेश लाड

मुम्बई। एक ओर जहां भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें चल रही हैं। वहीं रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड चाहते हैं कि रोहित अभी खेलते रहें। रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि वह गुरुदक्षिणा के तौर पर आगामी एकदिवसीय विश्वकप खेलें। इस कोच का मानना है कि रोहित के पास अभी भी टीम को देने के लिए बहुत कुछ है और वह उन्हें भारतीय टीम की नीली जर्सी में एक और विश्व कप खेलते देखना चाहते हैं। लाड ने कहा, +मेरा सिर्फ एक सपना है कि मैं रोहित को 2027 विश्व कप खेलते हुए देखूं। मैं चाहता हूं कि वह वहां हों।+

39 वर्षीय रोहित के लिए अभी कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। वह इस वर्ष खेले गए 8 एक दिवसीय मैचों में केवल 241 रन ही बना पाये हैं। इस दौरान उनका औसत मात्र 30 का रहा है और वह केवल एक अर्धशतक लगा पाये हैं। न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में भी वह प्रभावित नहीं पाए हैं, जिससे उनके फॉर्म पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। लाड ने अपने शिष्य के मौजूदा फॉर्म का बचाव करते हुए कहा, +हर खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं। फॉर्म अस्थायी होती है और मैं फिर भी चाहता हूं कि वह 2027 विश्व कप खेलें।+ उन्होंने जोर दिया कि किसी खिलाड़ी के खराब दौर को उसके पूरे करियर का पैमाना नहीं बनाना चाहिए। इस बीच, एक और रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि चयनकर्ता रोहित पर संन्यास के लिए दबाव बना रहे हैं, जिससे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जा सके। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लाड ने अपनी चिंता व्यक्त की और कहा, +अगर रोहित संन्यास लेते हैं, तो यह एक युग का अंत होगा। वह एक महान क्रिकेटर हैं। खराब फॉर्म का एक दौर किसी खिलाड़ी के पूरे करियर को परिभाषित नहीं करता।+ उन्होंने चयनकर्ताओं के फैसलों पर सीधी टिप्पणी करने से बचते हुए अपने दिल की बात दोहराई कि वह रोहित को अगला वर्ल्ड कप खेलते देखना चाहते हैं।

` यूसीसी लागू करने की दिशा में आई तेजी, कैबिनेट में मिल सकती है मंजूरी

-अवैध संतानज् शब्द होगा खत्म, लिव-इन रिलेशनशिप व शादी को लेकर नए नियम भी

रीवा /भोपाल (कीर्तिप्रभा)

प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में तेजी आ गई है। सरकार रविवार को विशेष कैबिनेट बैठक में यूसीसी के ड्राफ्ट को मंजूरी के लिए रखेगी। प्रस्तावित ड्राफ्ट में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, लिव-इन रिलेशनशिप और बच्चों के अधिकारों से जुड़े कई अहम बदलाव किए गए हैं। ड्राफ्ट के मुताबिक अब ‟अवैध संतानज् शब्द खत्म कर दिया जाएगा। विवाह से बाहर जन्मे बच्चों के साथ-साथ सरोगेसी और टेस्ट ट्यूब बेबी से जन्मे बच्चों को भी समान कानूनी दर्जा और अधिकार मिलेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूसीसी ड्राफ्ट में लिव-इन रिलेशनशिप को भी कानूनी दायरे में लाने का प्रस्ताव है, साथ रहने वाले जोड़ों को एक महीने के अंदर पंजीकरण कराना होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना और जेल का प्रावधान है। साथ ही रिश्ता टूटने की स्थिति में महिला साथी को पत्नी की तरह भरण-पोषण का अधिकार मिलेगा। यदि पति विवाह के दौरान किसी दूसरी महिला को गर्भवती कर देता है, तो पत्नी को तलाक करने का अधिकार होगा. पहले यह अधिकार मुख्य रूप से पति के पक्ष में माना जाता था।

रिपोर्ट के मुताबिक सभी समुदायों के लिए एक समय में केवल एक ही विवाह मान्य होगा। बहुविवाह पर रोक लगेगी। शादी और तलाक, दोनों का पंजीयन कराना जरूरी होगा। रजिस्ट्रेशन नहीं होने पर भी शादी वैध रहेगी। रजिस्ट्रार आवेदन खारिज करेगा तो लिखित वजह देनी होगी और उसके खिलाफ अपील का अधिकार रहेगा। मौखिक तलाक, सामाजिक पंचायत या गैर-कानूनी तरीकों से विवाह खत्म नहीं होगा। तलाकशुदा दंपती विवाह के लिए निकाह हलाला जैसी किसी प्रक्रिया के लिए बाध्य नहीं होंगे। ऐसा दबाव डालना अपराध माना जाएगा।जानकारी के मुताबिक लिव इन में साथ रहने के एक महीने के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। नोटिस के बाद भी जानकारी न देने पर 6 महीने तक जेल और 25,000 तक जुर्माना लगेगा। लिव-इन के लिए दोनों की न्यूनतम आयु 18 साल होगी। रजिस्ट्रेशन न कराने पर 3 महीने तक की जेल या 10,000 तक जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी देने या तथ्य छिपाने पर 3 महीने तक जेल और 25,000 तक जुर्माना देना होगा। रिश्ता टूटने पर महिला साथी को पत्नी की तरह भरण-पोषण का अधिकार मिलेगा। यदि किसी की उम्र 21 साल से कम है तो उसके माता-पिता या संरक्षक को सूचना दी जाएगी। रजिस्ट्रेशन का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा और जरूरत पड़ने पर अदालत में साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

अब वाहन मालिकों को मिलेंगे हाईटेक एनएफसी स्मार्ट कार्ड

रीवा (कीर्तिप्रभा)

करीब दो वर्षों से ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीयन (आरसी) की हार्डकॉपी का इंतजार कर रहे लाखों वाहन मालिकों के लिए राहत की खबर है। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग अब फिर से ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कार्ड की हार्डकॉपी जारी करने की तैयारी में है। इस बार सामान्य स्मार्ट कार्ड की जगह अत्याधुनिक एनएफसी (नियर फील्ड कम्युनिकेशन) तकनीक वाले हाईटेक कार्ड दिए जाएंगे, जिनमें डिजिटल चिप लगी होगी और जिनकी जानकारी समय-समय पर अपडेट भी की जा सकेगी। परिवहन आयुक्त कार्यालय ने स्मार्ट कार्ड तैयार कर उन्हें वाहन मालिकों के घर तक पहुंचाने के लिए नई एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। कंपनी का चयन होते ही सबसे पहले उन लोगों को कार्ड भेजे जाएंगे, जिन्होंने ऑनलाइन शुल्क जमा कर दिया था लेकिन अब तक उन्हें लाइसेंस या आरसी की हार्डकॉपी नहीं मिली।

नए एनएफसी कार्ड परिवहन व्यवस्था को अधिक डिजिटल और सुरक्षित बनाएंगे। इन कार्डों में लगी चिप को विशेष रीडर से स्कैन करते ही वाहन और उसके मालिक से जुड़ी पूरी जानकारी स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी। इसमें वाहन मालिक का नाम, पता, ब्लड ग्रुप, वाहन का पंजीयन विवरण, निर्माण वर्ष, खरीद वर्ष, टैक्स की स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियां शामिल होंगी। इससे फर्जी दस्तावेजों पर रोक लगाने के साथ सड़क पर वाहन जांच भी तेज और पारदर्शी हो सकेगी। परंपरागत स्मार्ट कार्ड के विपरीत एनएफसी कार्ड रीड-राइट तकनीक पर आधारित होंगे। यानी आवश्यकता पड़ने पर कार्ड में दर्ज जानकारी को अपडेट भी किया जा सकेगा। भविष्य में पता बदलने, अन्य तकनीकी संशोधन या डिजिटल सेवाओं को जोड़ने में यह तकनीक उपयोगी साबित होगी।

दो साल से शुल्क लिया, लेकिन कार्ड नहीं मिले

परिवहन विभाग ने 3 अक्टूबर 2024 को अधिसूचना जारी कर ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीयन प्रमाण-पत्र की हार्डकॉपी देना बंद कर दिया था। इसके बावजूद दोनों दस्तावेजों के लिए 200-200 रुपये का शुल्क लगातार लिया जाता रहा। इस फैसले के बाद लाखों वाहन मालिकों ने शुल्क तो जमा किया, लेकिन उन्हें न तो कार्ड मिले और न ही उनके घर दस्तावेज पहुंचे। अब विभाग उन सभी लंबित मामलों का भी निराकरण करेगा। अब वाहन मालिकों को फिर से घर बैठे आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस मिलेंगे। एनएफसी चिप के जरिए दस्तावेजों का सत्यापन कुछ सेकंड में होगा।

विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के 54 मामलों का आपसी समझौते से हुआ निराकरण

रीवा (कीर्तिप्रभा) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार रीवा जिला न्यायालय में चेक बाउंस के मामलों के त्वरित निपटारे के लिए गत दिवस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राकेश मोहन प्रधान के कर कमलों द्वारा विशेष लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से लंबित विवादों को समाप्त करना था। विशेष लोक अदालत के दौरान चेक बाउंस से संबंधित कुल 82 प्रकरणों को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए रेफर किया गया था। दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई चर्चा और विधिक समझाइश के बाद इनमें से 54 मामलों का मौके पर ही सफलतापूर्वक निराकरण कर दिया गया। इस सफल समझौते के तहत कुल 1,05,32,925 रुपये की समझौता राशि के अधिनिर्णय पारित किए गए। विशेष लोक अदालत के कोऑर्डिनेटर व जिला न्यायाधीश श्री मोहित कुमार, जिला न्यायाधीश श्री वारीन्द्र कुमार तिवारी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती शिवानी शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र, जिला रजिस्ट्रार श्री पन्ना नागेश, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री शैलेन्द्र रैकवार, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा, एलएडीसीएस चीफ श्री सुरेन्द्र सिंह और एलएडीसीएस असिस्टेंट श्रीमती आरती तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

रीवा डाक संभाग में पुष्पेंद्र सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया

रीवा (कीर्तिप्रभा). डाक संभाग में पुष्पेंद्र सिंह ने रीवा डाक अधीक्षक पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके आगमन से विभाग को नई ऊर्जा एवं कार्यकुशलता प्राप्त होगी। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री सिंह का स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं। श्री सिंह ने विभाग की सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। डाक अधीक्षक के अनुभव एवं नेतृत्व से विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आम जनता को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध होंगी।

किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर दिए जा रहे हैं सिंचाई सोलर पंप

रीवा (कीर्तिप्रभा) किसानों को अब सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। बिना कनेक्शन लिए और बिना बिल भरे सिंचाई की सुविधा मिलेगी। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सूर्य मित्र योजना से 90 प्रतिशत अनुदान पर सोलर सिंचाई पंप से सिचाई की सुविधा दी जा रही है। इस योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण भी होगा। ताप विद्युत केन्द्रों से बिजली उत्पादन के लिए भारी मात्रा मे कोयले का दहन किया जाता है जो पर्यावरण के प्रतिकूल है। सोलर पैनल पूरी तरह से निःशुल्क तथा पर्यावरण के अनुकूल है। इस संबंध में अधीक्षण यंत्री अक्षय ऊर्जा ने बताया कि इस योजना से किसानों को एक से लेकर 7.5 हार्सपावर सिंचाई के पंप के लिए सोलर पैनल की सुविधा दी जा रही है। किसानों को इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योजना का लाभ उठाने के लिए ऊर्जा विकास निगम कार्यालय कलेक्ट्रेट रीवा से संपर्क किया जा सकता है।

रीवा मनकहरी सड़क निर्माण के लिए भू-अर्जन तत्काल पूरा करायें - उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अधिकारियों को निर्माण कार्य के संबंध में निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा से मनकहरी रोड़ निर्माण के लिए 125 करोड़ रूपये सरकार द्वारा मंजूर किये गये हैं। आवश्यक राशि उपलब्ध होने के बावजूद भू अर्जन समय पर पूरा न होने के कारण निर्माण कार्य शुरू नही हो सका है। कलेक्टर रीवा मनकहरी सड़क निर्माण के लिए भू अर्जन की प्रक्रिया तत्काल पूरी करायें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग इसके निर्माण के संबंध मे विभिन्न कार्यवाहियां सुनिश्चित करें। बरसात समाप्त होते ही इसका निर्माण कार्य शुरू करायें। यह बहुत महत्वपूर्ण सड़क है। इसके बन जाने से कई गांव के निवासियों को आवागमन की सुगमता होगी। भू अर्जन की कार्यवाही समय पर न होने से निर्माण कार्यों की लागत बढ़ती है। निर्माण कार्यों की प्रगति तथा भू अर्जन प्रकरणों की नियमित समीक्षा करके निर्माण कार्य तय समय सीमा मे पूरा करायें।

सहकारी समितियों के निर्वाचन के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात

रीवा (कीर्तिप्रभा) मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के प्रावधानों के तहत सहकारी समितियों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन पदाधिकारी संजय गुप्ता ने रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात किए हैं। ज्योति मछुआ सहकारी समिति नरसिंहपुर के सदस्यता सूची के लिए वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एमएल साकेत को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। बेलहा बाबा मछुआ सहकारी समिति तिलखन सिरमौर के लिए सब ऑडिटर शिवम अहिरवार तथा आदिवासी मछुआ सेवा सहकारी समिति दुआरी तहसील सेमरिया के लिए वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एमएल साकेत को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सदस्यता सूची तैयार करने तथा संचालक मण्डल का निर्वाचन कराने के निर्देश दिए गए हैं। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णयों के विरूद्ध अपील के लिए उपायुक्त सहकारिता जिला रीवा को अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिले की दो सहकारी समितियों की सदस्यता सूची का कार्यक्रम तय

रीवा (कीर्तिप्रभा) मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन पदाधिकारी संजय गुप्ता द्वारा रीवा जिले की दो सहकारी समितियों के सदस्यता सूची निर्माण के लिए कार्यक्रम तय किया गया है। इसमें बेलहा बाबा मछुआ सहकारी समिति तिलखन जिला रीवा तथा ज्योति मछुआ सहकारी संस्था नरसिंहपुर जिला रीवा शामिल हैं।

जांच में 25 बच्चों6 के दिल में मिला छेंद, नि :शुल्क होगा इलाज

रीवा (कीर्तिप्रभा). राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री बाल ह्रदय उपचार योजना के अंतर्गत 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों की हृदय रोग की जांच जिला अस्प ताल में आयोजित विशेष शिविर में की गई। बच्चोंज के हृदय रोग का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण गैलेक्सी हॉस्पिटल जबलपुर के पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अखिलेश दुबे एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। शिविर में 72 बच्चों का पंजीयन किया गया। जिसमें 30 बच्चोंक का फॉलोअप किया गया। जांच के दौरान 25 बच्चों के दिल में छेंद की पुष्टि हुई जिनका निश्शुल्का उपचार किया जाएगा। जांच के दौरान 27 बच्चेर सामान्य पाए गए और जिन बच्चोंय के दिल में छेंद की पुष्टि हुई उनमें से 5 बच्चोंा को हायर सेंटर रेफर किया गया और 20 बच्चों के उपचार के लिए किया गया। इनकी निःशुल्क सर्जरी कराई जाएगी। सीने में दर्द और दिल की समस्या से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क इलाज गैलेक्सी हॉस्पिटल जबलपुर में कराया जाएगा। डॉ. जितेंद्र कुमार तिवारी नोडल अधिकारी एवं शिशु रोग विशेषज्ञ रीवा ने बताया कि जन्मजात ह्रदय रोग से पीड़ित हितग्राहियों का आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत निःशुल्क सर्जरी कराया जाएगी। विष्णु प्रताप सिंह जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबन्धक आरबीएसके रीवा ने बताया कि शिविर के दौरान आरबीएसके टीम में पदस्थ एएमओ द्वारा आंगनवाड़ी व स्कूल स्तर पर ह्रदय रोग के केस चिन्हित किए गए थे जिनकी जांच शिविर में कराई गई। डॉ. केके तिवारी शिशु रोग विशेषज्ञ ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों की ह्रदय सहित समस्त प्रकार की जन्मजात विकृति की निःशुल्क सर्जिकल सुविधा उपलब्ध है। शिविर डॉ. केबी गौतम, डॉ. विकास सिंह डेंटल सर्जन, डॉ. रविन्द्र मिश्रा प्रबन्धक, डॉ. महिमा तिवारी डेंटल सर्जन, डॉ. सुनील अवस्थी, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. वंदना मिश्रा, डॉ. दिनेश शुक्ला, डॉ. दिनेश त्रिपाठी, डॉ. मेधा अग्निहोत्री, डॉ. तारिक अंसारी, डॉ. समरीन अली, डॉ. शीला पांडेय, डॉ. प्रदीप पटेल, डॉ. सुशील कोल, डॉ. अरविंद गौतम, डॉ. शिव कुमार पटेल, डॉ. विवेक त्रिपाठी, रमेश गुप्ता, पंकज मिश्रा, डॉ. अनु मिश्रा साइकोलॉजिस्ट, मीना पांडेय, अरुणेंद्र कुशवाहा, उपेंद्र शुक्ला, सौरव पांडेय आयुष्मान जिला समन्वयक, सुशील पटेल आरआई डेटा मैनेजर आदि उपस्थित रहे। शिविर के दौरान पंजीयन एवं काउंसलिंग में विशेष योगदान जयश्री द्विवेदी नर्सिंग आफीसर, एएनएम प्रतिमा शुक्ला, अल्काय तिवारी, अनिता तिवारी, अर्चना साकेत, उमंग काउंसलर आरती पांडेय, अल्काव सिंह तथा आकांक्षा सिंह का योगदान सराहनीय रहा। शिविर में इस्माइल खान गार्ड एवं सरोज साकेत स्वीपर का भी योगदान रहा।

एमपी में आवासीय भवनों के कमर्शियल इस्तेमाल पर सख्ती

सभी नगर निगमों में शुरू हुआ महासर्वे, नियम तोडऩे वालों पर गिरेगी गाज

आवासीय क्षेत्रों का बिना अनुमति व्यावसायिक उपयोग किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद अब प्रदेश भर में ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जा रही है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने ऐसे समस्त आवासीय क्षेत्रों को चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं, जिनका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है।

आवासीय क्षेत्र किए जा रहे चिह्नित

अधिकारियों का मानना है कि आवासीय क्षेत्रों में अनियंत्रित व्यावसायिक गतिविधियों से पार्किंग, यातायात और स्थानीय नागरिकों की सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। साथ ही सरकार को राजस्व हानि भी हो रही है क्योंकि आवासीय संपत्ति और व्यावसायिक संपत्ति का अलग-अलग शुल्क निर्धारित है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए आदेश दिया है कि नगर निगम और संबंधित प्राधिकरण विस्तृत जांच कर यह पहचान करें कि किन-किन आवासीय क्षेत्रों में बिना अनुमति व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संपत्ति का उपयोग उसके स्वीकृत भू-उपयोग और कानूनी दर्जे के अनुसार ही किया जा सकता है। लंबे समय से किसी गतिविधि के संचालित होने मात्र से उसे वैध नहीं माना जा सकता। इसके बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निर्देश पर सभी नगर निगमों ने जोनवार विशेष सर्वे दल गठित किए हैं। इसके अलावा विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नगर निगमों को निर्देश मिलने के बाद बिल्डिंग परमिशन शाखा मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम-2012 और नगर पालिक निगम अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए संबंधित भवन मालिकों से दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण मांगे जा रहे हैं।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती 2026 के दस्तावेज अपलोड करने और जिला विकल्प चयन की प्रक्रिया शुरू

19 से 21 जुलाई तक निर्धारित सत्यापन केंद्र पर मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना अनिवार्य होगा

प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन-2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों की दस्तावेज अपलोड और सत्यापन प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई है। लोक शिक्षण संचालनालय ने कर्मचारी चयन मंडल की वर्ष-2025 चयन परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियोजन की समय-सारिणी जारी की है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी 20 जुलाई तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड और जिला विकल्प का चयन कर सकेंगे। इसके बाद 19 से 21 जुलाई तक जिला स्तर पर दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। विभाग ने सभी जिलों को प्राथमिकता क्रम में भरना अनिवार्य किया है। दस्तावेज अपलोड करने के अगले दिन अभ्यर्थियों को चयनित सत्यापन केंद्र पर उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

समय-सीमा में करें पंजीयन

लोक शिक्षण संचालनालय ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा में प्रोफाइल पंजीयन, दस्तावेज अपलोड, जिला चयन और पोर्टल शुल्क का भुगतान नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया से बाहर माना जाएगा। अभ्यर्थियों को नियोजन संबंधी सभी नवीनतम जानकारी के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर नियमित नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

खेतों से घट रही नमी; खरीफ फसलों पर बढ़ा संकट

मानसून की शुरुआत भले ही उम्मीदों के साथ हुई थी और शुरुआती बारिश से किसानों ने सोयाबीन, मक्का सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई पूरी कर ली थी, लेकिन पिछले करीब 10 दिन से बारिश पूरी तरह थमी हुई है। लगातार चल रही तेज हवाओं के कारण खेतों की मिट्टी की नमी तेजी से कम हो रही है। इससे फसलों की बढ़वार पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है और किसान अब अगली अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों में किसान इन दिनों खेतों में खरपतवार नियंत्रण के कार्य में जुटे हैं। कई स्थानों पर खरपतवार तेजी से बढ़ने के कारण किसान रासायनिक खरपतवारनाशक दवाओं का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कुछ किसान परंपरागत तरीके से निंदाई-गुड़ाई भी करवा रहे हैं। हालांकि दवाओं के बढ़ते उपयोग से खेतिहर मजदूरों को पहले की तुलना में कम काम मिल रहा है, जिससे ग्रामीण मजदूरी पर भी असर देखा जा रहा है।किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो सोयाबीन, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की बढ़वार प्रभावित हो सकती है। उनका कहना है कि लगातार चल रही हवा मिट्टी की नमी को तेजी से खत्म कर रही है, जिससे फसलों में तनाव दिखाई देने लगा है। किसानों का मानना है कि समय पर बारिश होना अब बेहद जरूरी हो गया है।

नेक की तर्ज पर साक का गठन कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की सुधरेगी रैंकिंग

उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और उत्कृष्टता को नए मुकाम पर ले जाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि राष्ट्रीय स्तर की संस्था नेक की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश में साक यानी स्टेट लेवल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन सेल (राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रकोष्ठ) का गठन किया गया है। इस नई व्यवस्था से प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन और ग्रेडिंग की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाया जाएगा। सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुताबिक, साक के गठन का मुख्य उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना है। इसके अंतर्गत पहले चरण में प्रदेश के 341 शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों (कॉलेजों) और विश्वविद्यालयों का राज्य स्तरीय मूल्यांकन किया जाएगा। इससे संस्थानों को अपनी कमियों को सुधारने और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग हासिल करने में मदद मिलेगी।

21 से 23 जुलाई तक चलेगी विशेष कार्यशाला

साक की प्रक्रिया को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने अपनी कमर कस ली है। इसके तहत आगामी 21, 22 और 23 जुलाई को एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाओं (ट्रेनिंग वर्कशॉप) का आयोजन किया जा रहा है। संस्थानों के प्रतिनिधियों को चरणबद्ध तरीके से ट्रेनिंग देने के लिए पूरा शेड्यूल तय कर दिया गया है। 21 जुलाई पहले दिन 113 महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। 22 जुलाई दूसरे दिन अन्य 113 महाविद्यालयों के प्रतिनिधि ट्रेनिंग में शामिल होंगे। 23 जुलाई- अंतिम दिन बचे हुए 115 महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यशाला में दी जाएगी बारीक जानकारियां

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को साक के कड़े मूल्यांकन मानदंडों, गुणवत्ता संकेतकों, आवश्यक दस्तावेजीकरण, संस्थागत तैयारियों और पूरी प्रत्यायन प्रक्रिया की बिंदुवार व विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। शिक्षाविदों का मानना है कि सरकार के इस कदम से मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी,

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- * संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।